सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 174 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 08 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में हाथियों की दहशत : रायगढ़ में पहुंचा 29 हाथियों का झुंड, दहशत में ग्रामीण

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल रेंज क्षेत्र के जंगल में विचरण कर रहे जंगली हाथियों के एक बड़े दल का वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीण दहशत में है। हाथियों का दल यहां के कुडेकेला सड़क किनारे आ गया, जिसके बाद आसपास के गांव के अलावा इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार दल में करीब 29 हाथियों की मौजूदगी से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। इस दल में चार नर हाथी, 20 मादा हाथी के अलावा पांच हाथी के बच्चे हैं। धरमजयढ़ वन मंडल के छाल रेंज में ही इन दिनों 46 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। आसपास के गांव के ग्रामीणों को अलर्ट किया जा रहा। सड़क किनारे हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए तत्काल वन विभाग की टीम के अलावा हाथी मित्र दल के सदस्य मौके पर पहुंचे। हाथियों के इस दल को बांसाझार के जंगलों की ओर खदेड़ा गया, तब जाकर आसपास के गांव के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। हाथी मित्र के सदस्यों ने बांसाझर, कुडेकेला ,तरकेला, मुनुन के अलावा आसपास के गांव के ग्रामीणों से अपील की है कि क्षेत्र में 29 हाथियों का दल विचरण कर रहा है, ऐसी स्थिति में सुबह के समय किसी भी हाल में लकड़ी लेने के साथ-साथ महुआ बिनने जंगलों में न जाये।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से एसईसीएल के नवनियुक्त सीएमडी हरीश दुहन ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के नव नियुक्त अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहन ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने दुहन को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को दुहन ने एसईसीएल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के अंतर्गत राज्य के खनन प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के औद्योगिक और सामाजिक विकास के लिए हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों व पंचायतों में शुरू हुआ सुशासन तिहार

सीएम साय ने कहा- पारदर्शिता, तत्परता और संवाद ही सुशासन का मुख्य आधार

सुशासन तिहार में मिले आवेदनों का हो त्वरित निराकरण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे सुशासन तिहार के सुव्यवस्थित आयोजन और इसके अंतर्गत प्राप्त होने वाले आवेदनों के तत्परता से निराकरण को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य और जिला स्तर पर निराकरण की स्थिति और गुणवत्ता की समीक्षा भी की जाएगी। उन्होंने कहा है कि सुशासन तिहार 2025 का उद्देश्य जनसामान्य की समस्याओं का प्रभावी एवं त्वरित समाधान, शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे सुशासन तिहार से जुड़ें और शासन-प्रशासन को अपनी समस्याओं से अवगत कराएं, ताकि उनके समाधान की दिशा में ठोस पहल की जा सके।

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंगलवार से प्रदेश व्यापी सुशासन तिहार शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के लोगों की समस्याओं के निदान और उनसे रूबरू मुलाकात के लिए सुशासन तिहार का प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार का शुभारंभ सभी नगरीय निकायों व पंचायतों में किया गया। तीन चरणों में आयोजित होने वाला यह सुशासन तिहार 31 मई तक चलेगा। सुशासन तिहार के शुभारंभ अवसर पर सीएम साय ने अपने संदेश में कहा कि पारदर्शिता, तत्परता और संवाद ही सुशासन का आधार है।

बता दें छत्तीसगढ़ राज्य इस वर्ष अपनी स्थापना की रजत जयंती मना रहा है। यह वर्ष सौभाग्य से छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है, जिसे राज्य सरकार अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रही है। सुशासन की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में सुशासन तिहार-2025 का आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार की मंशा है कि सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार सीधे जनता से संवाद करे। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को विशेष निर्देश भी दिए हैं।

मौके पर होंगे समाधान, एक माह की समय सीमा तय

सुशासन तिहार के दौरान शिविरों में आमजन को उनके आवेदन की स्थिति से अवगत कराया जाएगा, तथा यथासंभव आवेदन का त्वरित निराकरण भी वहीं किया जाएगा। शेष समस्याओं का निराकरण एक माह के भीतर कर सूचना दी जाएगी। शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सुशासन तिहार के इस प्रदेश व्यापी अभियान में सभी सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। स्वयं मुख्यमंत्री व सभी मंत्री, मुख्य सचिव, प्रभारी सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी स्वयं शिविरों में उपस्थित रहकर आमजन से संवाद करेंगे और विकास कार्यों व जनहित की योजनाओं से मिल रहे लाभ का फीडबैक लेंगे। साथ ही जरूरत के अनुसार औचक निरीक्षण के माध्यम से चल रहे कार्यों की वास्तविकता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

चरण वार इस प्रकार चलेगा सुशासन तिहार

तीन चरणों में चलने वाले सुशासन तिहार का पहला 11 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान आम जनता से ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के कार्यालयों में सीधे आवेदन लिए जाएंगे। सुशासन तिहार के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन पोर्टल एवं कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। विकासखंडों और जिला मुख्यालयों में भी आवेदन प्राप्त करने हेतु समाधान पेटी रखी जाएगी। दूसरे चरण में सुशासन तिहार-2025 के तहत सभी प्राप्त आवेदनों की सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि कर संबंधित विभागों को सौंपा जाएगा, और एक माह के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। तीसरे चरण में प्रत्येक जिले की 8 से 15 ग्राम पंचायतों के मध्य समाधान शिविर आयोजित होंगे। नगरीय निकायों में भी आवश्यकतानुसार शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट की तमिलनाडु राज्यपाल को फटकार, कहा- गवर्नर के पास वीटो का अधिकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल को फटकार लगाई है और विधेयकों को मंजूरी नहीं देने को संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन बताया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता से काम करना पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को रोक नहीं सकते और न ही किसी विधेयक पर वीटो या पॉकेट वीटो नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल या तो विधेयक को मंजूरी दे सकते हैं या फिर उस विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार करने के लिए भेज सकते हैं। पीठ ने कहा कि राज्यपाल दूसरी बार राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजने की बात कहकर विधेयक को नहीं रोक सकते।

सीएम स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बताया ऐतिहासिक

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर की और इसे ऐतिहासिक बताया।

कॉलेज फेस्ट के दौरान रूंगटा में जमकर हुई मारपीट

दुर्ग। भिलाई में कुरुद कोहका रोड स्थित रुंगटा इंजीनियरिंग कॉलेज में सोमवार की शाम कॉलेज फेस्ट के दौरान छात्रों के बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें भाजपा के भिलाई जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन का बेटा भी शामिल था। उसने लड़कों ना सिर्फ मारा बल्कि उनकी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की है। जामुल पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। रूंगटा कॉलेज आर 1 में सोमवार को वार्षिक व्योम फेस्ट का आयोजन था। इस दौरान बीबीए सेकंड ईयर के छात्र ऋषि कादयान (18), निवासी सेक्टर-5, भिलाई, का एक लड़की से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। छात्रा ने पुरुषोत्तम देवांगन के बेटे वैभव देवांगन को यह बात बताया और वहां बुलाया। जानकारी होते ही वैभव अपने दोस्त सोमू देवांगन व अन्य कुछ लड़कों के साथ वहां मारपीट करने पहुंच गया। उसने वहां अपने पिता की ऊंची पहुंच और जिलाध्यक्ष होने की धमकी दी। इस पर दूसरे ग्रुप के लड़कों ने भी उसके पिता को लेकर अपशब्द कर दिया। यह बात वैभव को इतनी नागवार गुजरी की उसने उन लड़कों को जमकर मारा और एक कार और एक एक्टिवा में तोड़फोड़ की। ऋषि ने बताया कि वैभव और उसके साथियों ने उनके साथ काफी गाली गलौज कर मारपीट की। मारपीट में ऋषि के बाएं आंख के नीचे, पीठ और बाएं हाथ में चोटें आई हैं।

तेल, गैस और आम भारतीय

श्रीकंचनपथ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें पिछले कई सालों के सबसे निचले स्तर पर है। पर भारत सरकार ने यही वक्त चुना है पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी करने के लिए। हालांकि उसने यह भी कहा है कि इसका असर आम उपभोक्ता पर नहीं पड़ेगा। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत घटने के बाद अब पेट्रोलियम कंपनियां कमाएंगी। उनका मार्जिन दोगुने से अधिक हो जाएगा। इसका लाभ उपभोक्ता को मिले न मिले, सरकार को इस लाभ का एक हिस्सा चाहिए। यह फीस होगी दाम नहीं घटाने की। वैसे यदि क्रुड का रेट बढ़ता है तो डायनामिक प्राइसिंग के बहाने दाम तत्काल बढ़ जाते हैं। पर जब दाम गिरते हैं तो सरकार के साथ सेटिंग हो जाती है। अब जनता को भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। अब कोई भी गाड़ी के माइलेज की बात नहीं करता। पेट्रोल की कीमत की बात नहीं करता। उसके पास बहुत रुपया है। वह खूब कमा रहा है। वह जमाना और था जब ईंधन के दामों में वृद्धि होने पर सरकारें गिर जाया करती थीं। अब तो कोई महंगाई की बात भी नहीं करता। उस जमाने में बाइक के माइलेज को 70 से 90 तक ले जाने की बातें होती थीं और अब लोगों की पहली पसंद 45 की माइलेज वाली स्कूटर हो गई है। किक किसी को मारना नहीं है। बैटरी से गाड़ी स्टार्ट करनी है। बुलेट जैसी मर्दाना सवारी भी अब बटन से चालू होती है। साइकिल को पिछवाड़े से उठाकर स्टैंड लगाने वाले अब बुलेट में भी साइड स्टैंड लगाने लगे हैं। पूरी की पूरी पार्किंग ही पीसा की मीनार की तरह झुकी हुई दुपहिया गाड़ियों से भर गई। लोग अपने शौक पूरे कर रहे हैं। बड़े लोगों के शौक और भी बड़े हैं। वे बैटरी वाली गाड़ियां खरीद कर इस झमेले से ही मुक्त हो रहे हैं। पेट्रोल डीजल और गैस की कीमतों को समझना झमेला ही तो है। इतना गणित समझा देंगे की झुग्गी में रहने वाले के भी आंसू निकल आएंगे। लोग अपना गुल्लक फोड़कर सरकार को और पैसे दे देंगे। वैसे एक बात समझ में नहीं आई। सरकारों के पास अब इतना पैसा है कि गरीबों को वो पैसे बांट रही है फिर गैस सिलिण्डर के दाम बढ़ाने की क्या जरूरत पड़ गई। यह एक आवश्यकता है। ठीक वैसी ही जैसी दवाइयां हैं। चाहे जितनी महंगी हो जाएं, यदि लेनी है तो लेनी है। गरीबों को पहले धूम्ररहित चूल्हे देने की योजना बनी। पर योजना चल नहीं पाई। इसके बाद सरकार ने सीधे सभी को गैस चूल्हा देने की योजना बनाई। इसे उज्वला योजना नाम दिया गया। इसपर भारी सब्सिडी भी है। पर सरकार ने अब जो गैस के दाम बढ़ाए हैं, उज्वला गैस कनेक्शन भी उसकी जद में आ गए हैं। अब इनके लिए भी गैस 50 रुपए महंगी हो गई है। खुशहाल भारत में अब महंगाई की बात करना भी अपनी हंसी उड़वाना है।

संपादकीय

संसद में हारे तो कोर्ट की शरण में गए

कांग्रेस सहित विपक्ष के दलों के लिए मुसलमान वोट हमेशा अहम रहा है। इसलिए वह वही करते रहे हैं जो उसके कुछ नेता व संगठन चाहते रहे हैं। मुसलमान हमेशा कांग्रेस के लिए सत्ता में वापसी की गारंटी रहे हैं। कांग्रेस ने ही देश में यह धारणा बना रखी थी, मुसलमानों के वोट के बगैर चुनाव जीतना मुश्किल है, कांग्रेस के साथ रहने वाले दलों में यही धारणा बनी हुई है कि राज्य का चुनाव वह मुसलमानों के वोट के बगैर नहीं जीत सकते।यही वजह है कि कांग्रेस जब तक सत्ता में रही उसने मुसलमान संगठन व कुछ नेता जो चाहते थे, वह सब किया।

> वक्फ कानून को बदल कर ऐसी ताकत दे दी कि वक्फ जिस जमीन को अपनी कह दे वह जमीन वक्फ की हो जाएगी। यानी कांग्रेस ने वक्फ को कानूनी तौर पर किसी भी जमीन पर कब्जा करने की ताकत दे दी। एक बार जमीन पर वक्फ ने दावा कर दिया तो उसकी सुनवाई भी वक्फ के ट्रिब्यूनल में होगी, वहां ट्रिब्यूनल ने जो फैसला दे दिया वह अंतिम फैसला हो गया फिर कहीं उसकी सुनवाई नहीं होगी। कांग्रेस की दी गई कानूनी ताकत के कारण वक्फ ने पिछले पिछले एक दो दशक में अपनी संपत्ति में रिकार्ड इजाफा किया है।

इस संपत्ति का उपयोग मुसलमानों के प्रभावशाली लोग करते हैं और बताते हैं कि यह मुसलमानों की संपत्ति है, इसका उपयोग गरीब मुसलमानों के लिए किया जाता है। ऐसा इसलिए किया गया कि कब्जा हुई जमीन एक दिन रामजन्मभूमि की तरह कोर्ट से वापस करनी पड़ेगी तब प्रभावशाली मुसलमान खुद तो कब्जा हुई संपत्ति की रक्षा नहीं कर सकते, इसलिए उन्होंने वक्फ व कब्जा हुई जमीन को मुसलमानों की जमीन बता रहे हैं ताकि गरीब से गरीब से मुसलमान उसके लिए खड़ा हो।

जब तक कांग्रेस की सरकार रही मुसलमान संगठनों व कुछ नेताओं ने खूब संपत्ति बनाई, वक्फ की संपत्ति को खूब उपयोग किया। अब दस साल से भाजपा की सरकार है तो मुसलमान संगठनों व नेताओं को उससे ही डर था कि यह हमारी पोल खोल सकती है, ऐसा कुछ कर सकती है कि कब्जे की संपत्ति उनके पास न रहे।दस साल भाजपा को दूसरे काम करने थे इसलिए उसने वक्फ के मामले में दस साल बाद हाथ डाला। भाजपा के पास बहुमत न होने के कारण किसी को उम्मीद नहीं थी कि भाजपा वक्फ के मामले में कानून बनाने की हिम्मत करेगी। राहुल गांधी ने कहा था कि मोदी की सरकार कमजोर सरकार है, वह बड़े फैसले अब नही कर सकती। उसे तो हम कभी भी गिरा देंगे। इससे मुसलमान संगठन व मुसलमान नेता आश्वस्त थे कि जब राहुल गांधी कह रहे है तो ऐसा ही होगा।

हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद दिल्ली में चुनाव जीतने से भाजपा के हौसले बुलंद हो गए उसे पता चला कि देश व राज्यों की जनता उसके साथ है। इसका प्रभाव चंद्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार पर भी पड़ा और वह समझ गए कि मोदी की सरकार कमजोर सरकार नहीं है। हमें इसके साथ ही रहने में फायदा है। पीएम मोदी ने इन दोनों को भरोसे में लेकर ही वक्फ संशोधन बिल लाने का फैसला किया। जैसे ही मोदी सरकार ने फैसला किया कांग्रेस सहित मुसलमान संगठनों व नेताओं ने चंद्रबाबू नायडू व नीतीश को डराना शुरू कर दिया था वक्फ संशोधन बिल मे मोदी का साथ दिया तो अगले चुनाव में मुसलमानों का वोट नहीं मिलेगा।

इस देश में पीएम मोदी ही ऐसे नेता हुए हैं जिन्होंने चुनाव जीतने के लिए मुसलमानों के वोट को जरूरी नहीं माना। उन्होंने एक नहीं तीन बार लोकसभा का चुनाव बहुसंख्यक वोट के आधार पर जीता और देश को बता दिया कि देश में चुनाव मुसलमानों का वोट नहीं मिलने पर भी जीता जा सकता है। भाजपा व पीएम मोदी निरंतर जीत से चंद्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार को बात समझ आ गई कि चुनाव जीतने के लिए मुसलमानों का वोट जरूरी नहीं है।वह पहली बार मुसलमान संगठन व नेताओं के डराने पर भी नहीं डरे और वक्फ संशोधन बिल पर मजबूती से मोदी के साथ खड़े रहे।इसी वजह से मोदी सरकार ने लोकसभा व राज्य सभा में बिल को आसानी से पास करवा लिया। कोई यह न कहे कि यह बिल जल्दबाजी में पास करा लिया गया है इसलिए विपक्ष ने जितनी देर चर्चा करना चाहा, उतनी देर चर्चा की गई। वक्फ संशोधन बिल संसद से पास होने के बात राष्ट्रपति के हस्ताक्षर कर देने से अब देश का कानून बन गया है।

इससे कांग्रेस व विपक्ष के नेता मुसलमान संगठनों व नेताओं को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रहे। गांधी परिवार से किसी ने भी संसद में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ एक शब्द नहीं कहा।यह बात मुसलमानों को बुरी जरूर लगी होगी। यही वजह है डैमेज कंट्रोल के लिए कांग्रेस ने वक्फसंशोधन बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। यह संसद में अपनी असफलता को छिपाने का प्रयास है और मुसलमान संगठन व नेताओं को बताने का प्रयास है कि हम संसद में बिल को नहीं रोक सके तो क्या हुआ, हम इसे सुप्रीम कोर्ट में रोकने का प्रयास कर सकते हैं। अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है, अभी उम्मीद है, हम कोशिश करेंगे की सुप्रीम कोर्ट इसे असंवैधानिक बता दे। हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट हमारे पक्ष में फैसला दे दे।

यह देखा जाए को पीएम मोदी का बहुत बड़ा फैसला है, पीएम मोदी ने कहा भी था कि उनका यह कार्यकाल बड़े फैसले वाला होगा और उन्होंने वक्फ के मामले में बड़ा फैसला कर दिया है। इस मामले में मोदी ने कांग्रेस के नरेटिव को निष्प्रभावी कर दिया है। वक्फ संशोधन बिल पर कांग्रेस का कहना है कि यह मुसलमानों की संपत्ति छीनने के लिए लाया गया है। वही भाजपा व मोदी का नरेटिव है कि यह बिल उसने गरीब व पिछड़े मुसलामानों के हित में लाया है, वक्फ की सारी जमीन गरीब व पिछड़े मुसलमानों की है, इसका उपयोग इनके हित में किया जाना चाहिए। इसका प्रबधन इस तरह किया जाना चाहिए कि वक्फ की संपत्ति से ज्यादा आय हो और उससे गरीब व पिछड़े मुसलमानों की मदद की जाए।

ऐसा अब तक किया नहीं गया है, इसलिए गरीब व पिछड़े मुसलमानों को लगता है कि उनके समाज के लोगों ने तो उनकी बेहतरी के लिए कुछ नहीं किया है, भाजपा कह रही है और कर रही है तो भाजपा पर भरोसा करके देखना चाहिए। भाजपा वक्फ संशोधन बिल के जरिए गरीब व पिछड़े मुसलमानों में अपना प्रभाव बढ़ाया है, इससे भाजपा को राजनीतिक फायदा होगा तो यह भी तय है कि इससे कांग्रेस व विपक्ष का राजनीतिक नुकसान होगा। भाजपा पहले ही उनके परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगाकर मजबूत हो गई है, अगर भाजपा ने मुसलमान वोट बैंक में सेंध लगी दी भाजपा को चुनाव में हराना कांग्रेस व विपक्ष के लिए और मुश्किल हो जाएगा।

भारत के उद्यमियों का सशक्तिकरण: मुद्रा ऋण की परिवर्तनकारी भूमिका

अशोक चंद्रा, एमडी और सीईओ,
पंजाब नेशनल बैंक

भारत की आर्थिक प्रगति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की सफलता के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह क्षेत्र, न केवल हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार के रूप में कार्य करता है, बल्कि रोजगार सृजन और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षमता की पहचान करते हुए, भारत सरकार ने 8 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत की थी, जो सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) को ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व पहल है। इस योजना को लोकप्रिय रूप में मुद्रा ऋण के नाम से जाना जाता है। सूक्ष्म और लघु उद्यम भारत के उद्यमशीलता परिदृश्य का मूल है।

आज, मुद्रा ऋण असंगठित और ऋण-सुविधा से वंचित क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय जीवन रेखा बन गए हैं तथा आजीविका सृजन और आर्थिक विकास को गति देते हैं। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत भर में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और दूरदराज की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन से स्पष्ट होता है। अपनी शुरुआत से लेकर अब तक, पीएमएमवाई योजना ने 52 करोड़ खातों के लिए 33 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के ऋण का संवितरण किया है, जिससे वंचित समुदायों को काफी फायदा हुआ है। उल्लेखनीय रूप से, इनमें से लगभग 50 प्रतिशत ऋण एससी/एसटी/ओबीसी उधारकर्ताओं द्वारा प्राप्त किया गए हैं, जबकि 68 प्रतिशत ऋण से महिला उद्यमियों को सशक्त बनाया गया है, जिससे वित्तीय समावेशन में इसकी भूमिका मजबूत हुई है।

छोटे व्यवसायों को सक्षम बनाना,

आजीविका को सशक्त बनाना

मुद्रा ऋण योजना की अवधारणा, तीन श्रेणियों- शिशु (50,000 रुपये तक के ऋण), किशोर (50,000 रुपये से 5 लाख रुपये तक के ऋण) और तरुण (5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक के ऋण) के तहत बिना कोई चीज गिरवी रखे वित्तपोषण प्रदान करने के लिए बनाई गई थी। सफल एमएसई की उभरती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने अक्टूबर 2024 में एक नई श्रेणी - तरुण प्लस-की शुरुआत की, जिसके तहत मुद्रा ऋण की सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई। यह संरचना-युक्त दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि व्यवसायों को विभिन्न विकास चरणों में उनकी विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त हो।

छोटे व्यवसाय से जुड़े कई लोगों, जैसे स्ट्रीट वेंडर, कारीगर और ग्रामीण उद्यमियों के लिए औपचारिक ऋण तक पहुँच एक चुनौती थी। मुद्रा ऋण ने बैंकिंग अंतर को दूर करके और नए विकास के अवसरों को खोलकर छोटे उद्यमियों और स्वरोजगार करने वालों, जैसे किराना स्टोर मालिक, कारीगर और टियर-2 शहरों के तकनीकी स्टार्टअप, को सशक्त बनाया है। मुद्रा योजना के शुभारंभ के बाद से, पंजाब नेशनल बैंक ने 64.50 लाख से अधिक ऋण खातों के लिए 1.35 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जो छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और 'वित्तपोषण से वंचित लोगों को वित्तपोषित करने' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की इसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

महिला उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता को विकसित करना

मुद्रा ऋण के संवितरण का एक उल्लेखनीय रुझान महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी है। मुद्रा लाभार्थियों में से लगभग 68 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो उनके बीच वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में योजना की भूमिका का प्रमाण है। उदाहरण के लिए, हरियाणा की शीला देवी, जो पहले घर पर ही एक छोटे सी व्यवस्था तक सीमित थीं, ने पीएनबी से शिशु मुद्रा ऋण की मदद से अपनी फर्नीचर की दुकान का विस्तार किया है और अब पाँच अन्य महिलाओं को रोजगार दे रही हैं, जिससे उनके समुदाय में रोजगार और आत्मनिर्भरता का क्रमिक प्रभाव पैदा हो रहा है। विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी गतिविधियों जैसे क्षेत्रों में देश भर में इसी तरह की सफलता की कहानियाँ देखी जा सकती हैं।

निर्बाध डिजिटल ऋण समाधानों के साथ व्यवसाय विकास को प्रोत्साहन देना

वित्तीय समावेशन में वित्तीय संस्थानों का बढ़ता योगदान, सरलीकृत ऋण प्रक्रियाओं और अभिनव डिजिटल समाधानों से संचालित हो रहा है। उदाहरण के लिए, 2023 के प्रारंभ में शुरू की गई पीएनबी ई-मुद्रा योजना, शुरू से अंत (एंड-टू-एंड) तक डिजिटल सुविधा प्रदान करती है, जिसके तहत ग्राहक पूरी तरह दस्तावेज रहित प्रक्रिया के माध्यम से 1 लाख रुपये तक के मुद्रा ऋण का लाभ उठा सकते हैं। इस प्रक्रिया में किसी बैंक शाखा की भागीदारी नहीं होती है। इस प्लेटफॉर्म से 14,152 लाभार्थियों को 136 करोड़ रुपये की तत्काल ऋण स्वीकृति सुनिश्चित हुई है।

पीएनबी ने 1 लाख रुपये से 25 लाख रुपये के बीच ऋण की आवश्यकता वाले व्यवसायों के लिए 'डिजी एमएसएमई ऋण' योजना शुरू करके अपने डिजिटल पेशकश को और मजबूत किया है, जिससे उधारकर्ताओं के लिए समय पर और परेशानी मुक्त ऋण पहुँच सुनिश्चित हुई है।

एमएसई विकास के लिए इकोसिस्टम को मजबूत करना

यह स्पष्ट है कि जमीनी स्तर पर मुद्रा योजना ने समय पर और किफायती ऋण प्रदान करने, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने तथा देश भर में आय सृजन और रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आगे बढ़ते हुए, बेहतर डिजिटल ऋण, अधिक वित्तीय साक्षरता और मजबूत ऋण सहायता व्यवस्था को शामिल करने वाला एक बहुआयामी दृष्टिकोण, एमएसई की सफलता को गति देने के लिए महत्वपूर्ण होगा, ताकि प्रत्येक उद्यमी की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके और विकसित भारत 2047 के विजन को साकार किया जा सके।

निष्कर्ष के तौर पर, यह कहा जा सकता है कि मुद्रा योजना केवल वित्तपोषण से संबंधित नहीं है; यह उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के बारे में भी है, जो भारत के आर्थिक इंजन को गति देती है। सही वित्तीय सहायता, मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प के साथ, आज के छोटे व्यवसाय कल की आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्री हनुमान जन्मोत्सव 12 अप्रैल को

श्रीरामचरित मानस के सुंदर कांड में गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा यह पंक्तियां यूं ही नहीं रच दी गईं हैं। इन पंक्तियों का सार पूरी रामायण में स्पष्ट समझा जा सकता है। भगवान श्रीराम से वानर राज सुग्रीव की मित्रता का प्रसंग हो या फिर सीता माता की खोज की योजना, प्रभु श्रीराम के अनुज को शक्तिबाण लगने के बाद संजीवनी बूटी लाकर उनके प्राणों की रक्षा का संकल्प, दशानन के भ्राता विभीषण के हृदय में प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था का दीप प्रज्ज्वलित करने तक इन पंक्तियों का अर्थ भलीभांति समझ में आता है। जब तक प्रभु श्रीराम के द्वारा सौंपा गया कार्य सिद्ध नहीं हो जाता, उनके अनन्य भक्त हनुमान जी कहते हैं, उन्हें विश्राम नहीं करना है!

हनुमान जी के उक्त संकल्प के अनेक उदाहरण रामचरित मानस और रामायण में उल्लेखित हैं। इस संदर्भ में सबसे सटीक प्रमाण सुंदर कांड में ही हमारे समक्ष आता है । लंका की ओर जाते समय हनुमान जी को मैनाक पर्वत ने कुछ समय के लिए अपने ऊपर विश्राम करने का निमंत्रण दिया । अपने प्रभु की भक्ति और कर्मनिष्ठा से ओत - प्रोत हनुमान जी ने मैनाक पर्वत को अपने हाथों से स्पर्श कर प्रणाम किया और बड़े ही विनम्र भाव के साथ कहा :- अपने प्रभु का काम संपन्न किए बिना मुझे विश्राम नहीं करना है ।

हनुमान जी इस कलियुग के अकेले ऐसे चिरंजीव प्रभु श्रीराम के सेवक हैं, जो आज भी उनके कार्यों को संपन्न कर रहे हैं। हनुमान जी के मस्तिष्क में कूट - कूट कर भरी हुई प्रबंध क्षमता यह बताती है कि उनसे बड़ा मैनेजमेंट गुरु कोई और नहीं! हनुमान जी की प्रबंधन क्षमता का सबसे बाद प्रसंग उस वक्त सामने आता है, जब वे माता सीता की खोज में लंका प्रवेश करते हैं। वे इस विचार में खोए होते हैं कि इतनी बड़ी स्वर्ण नगरी में माता का ठिकाना कैसे और किससे पता करें? उनके विचारों को पूर्णता मिली जब उन्होंने विभीषण के घर के द्वार पर तुलसी का पौधा, स्वस्तिक और धनुष - बाण के चिन्ह देखे। उनकी तीक्ष्ण बुद्धि से उन्होंने जान लिया कि असुरों की इस स्वर्ण नगरी में कोई तो सज्जन निवास कर रहा है! उन्होंने विभीषण से दोस्ती की और अपनी प्रबंधन क्षमता का परिचय देते हुए प्रभु श्रीराम के गुणों से विभीषण को अवगत कराया ! उन्होंने विभीषण को सीधे - सीधे प्रभु श्रीराम के खेमे में शामिल होने का आमंत्रण नहीं दिया। हनुमान जी ने विभीषण के अंतर्मन में प्रभु श्रीराम के प्रति उत्सुकता का बीज बो दिया! जब लंकापति रावण ने भरी सभा में विभीषण का अपमान किया तब विभीषण को हनुमान जी और उनकी कही बातें याद आई और वह सीधे प्रभु श्रीराम की शरण में पहुंच गया! यह बजरंगबली की प्रबंधन क्षमता का ही परिणाम था कि उन्होंने यह समझ लिया था कि लंका पर जीत के लिए किसी ऐसे व्यक्ति की प्रबल जरूरत होगी जो लंका के हर कोने से, वहां रहने वाले लोगों से भलीभांति परिचित हो ! उन्हें विभीषण में वह व्यक्ति नजर आया।

हनुमान जी का अवतार ही प्रभु श्रीराम की सहायता के लिए हुआ था। स्कंद पुराण में उल्लेख मिलता है कि भगवान भोलेनाथ के ग्यारहवें रुद्रावतार द्वारा ही श्रीविष्णु के राम - अवतार की सहायता की जाएगी। यही कारण था कि भगवान शिव - शंकर ने श्री विष्णु से दास्य (दास) रूप में अवतार का वरदान प्राप्त किया। भगवान शंकर के समक्ष बड़ा धर्म संकट था कि जिस रावण के वध हेतु वे श्री राम की सहायता करना चाहते हैं, वह उनका परम भक्त भी है! इसी रावण ने अपने दस शीश को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। आखिरकार ग्यारहवें रुद्र के रूप में भगवान भोलेनाथ ने अपने अंशावतार को हनुमान रूप में प्रभु श्रीराम की सहायता के लिए अवतरित किया। इतना ही नहीं स्वर्ग के सारे देवताओं ने ग्यारहवें रुद्र के रूप में जन्मे हनुमान जी को अपार शक्तियां प्रदान की। विद्या - बुद्धि से लेकर बल - बुद्धि तक उनकी चतुरता का कोई सानी नहीं था। सर्व - शक्तिशाली होकर हनुमान जी ने अपने आराध्य के प्रति समर्पण का जो भाव अपने अंदर बनाए रखा, उसी के चलते वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में स्थापित हुए। हनुमान जी अतुलित बलशाली होते हुए भी भक्ति की अनुपम मिसाल बने रहे! उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर मर्यादा पुरुषोत्तम ने उन्हें वरदान दिया कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और कलियुग में लोग अपने संकटों से मुक्ति पाने के लिए तुम्हारी ही उपासना करेंगे!

हनुमान जी ऐसे भक्त और सेवक सिद्ध हुए हैं जिन्होंने बड़े - बड़े काम करने के बाद भी अपनी शक्ति पर अंहकार नहीं किया ! उन्होंने सारे राम काज का श्रेय भी अपने प्रभु श्रीराम को ही दिया। हमने सुंदर कांड में देखा है कि रावण की लंका दहन करने के बाद जब वे अपने आराध्य के पास पहुंचे तब प्रभु श्रीराम द्वारा उनकी शक्ति और काम की प्रशंसा को भी उन्होंने अपने प्रभु की कृपा ही करार दिया। जब प्रभु श्रीराम ने पूछा कि इतने विशाल समुद्र को उन्होंने कैसे पार किया? कैसे इतनी बड़ी लंका को अग्नि के हवाले किया? हनुमान जी ने बड़ी ही विनम्रता के साथ कहा यह सब आपकी कृपा का ही फल है। प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहि... अर्थात ये सब प्रताप तो आपकी मुद्रिका का ही था जिसे मुंह में रखकर ही मैने सौ योजन समुद्र लांघा! प्रभु श्रीराम ने तब कहा मुद्रिका जब तुमने जनक नंदनी को सौंप दिया तब वापसी में कैसे सागर लांघा? हनुमान जी की प्रबंधन क्षमता यहां भी सामने आई और उन्होंने बड़ी ही सहजता के साथ कहा - प्रभु लौटते समय मां जानकी का चूड़ामणि मेरे पास था और मैं इस पार आ सका। अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा और भक्ति का ऐसा दृश्य अन्यत्र दुर्लभ है। रामचरित मानस के सुंदर कांड में ही आई चौपाई भी इस बात को सिद्ध करती है कि महाबली हनुमान ने अपने द्वारा किए गए हर कार्य को प्रभु श्रीराम की कृपा का आधार सिद्ध कर दिखाया। उन्होंने ऐसे ही प्रश्न पर प्रभु श्रीराम के समक्ष कहा -

ता कहूं प्रभु कछु अगम नहीं, जा पर तुम अनुकूल ।
तव प्रभाव बड़वानलही, जारि सकई खलु तूल ।।

अर्थात हे ! प्रभु इस संसार में उस व्यक्ति के लिए कुछ भी असंभव नहीं जिस पर आपकी कृपा हो । एक रूई का रेशा भी समुद्र की आग को जला सकता है !

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का बड़ा योगदान

प्रह्लाद सबनानी

> भारत में लगभग 60 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 फीसद के आसपास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में गरीबी को समूल नष्ट करना है तो इस क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू करने ही होंगे। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

भारत विश्व में सबसे अधिक तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह कठिन है क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास

की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं, परंतु अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का लाभ देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के लिए प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम किया जा रहा है, एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि खेती में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। ये किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण-पोषण कर पा रहे हैं। इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल के लिए केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रति वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रास्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है। इससे किसानों को लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में खासी वृद्धि हुई है। परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ पर बेचने में सफल हो रहे हैं। इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है। इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है। कृषि उत्पादों की बर्बादी रोकने में सफलता मिल रही है। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित करने के प्रयास जारी हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को फसल बेच सके।

कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि सूखे, अधिक वष्रा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी आपदाओं से प्रभावित फसल के नुकसान से किसान को बचाया जा सके। करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर नहीं होता। इसलिए किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से पशुपालन, मधुमक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

दुनिया के प्रमुख खाद्य पदाथरे यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। कई सूखे मेवों, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षो के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी व कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया। भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है। कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही रह रहे हैं। उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

तितुरडीह वार्डवासियों ने अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने जनदर्शन में लगाई गुहार

ग्राम पंचायत बोरीगारका में पानी टंकी मरम्मत एवं नया पाईप लाईन बिछाने दिया आवेदन, जनदर्शन में 125 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला कार्यालय के सभाकक्ष में संयुक्त कलेक्टर लता उर्वशा एवं डिप्टी कलेक्टरउत्तम ध्रुव ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 125 आवेदन प्राप्त हुए। आज जनदर्शन में शासकीय जमीन में अवैध कब्जा के अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में शिकायत लेकर पहुंचे

तितुरडीह वार्ड 19 के निवासियों ने अवैध शराब की हो रही बिक्री पर रोक लगाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वार्डवासियों के कठिन प्रयासों से तितुरडीह वार्ड से शराब दुकान को बंद कराया गया था, लेकिन बंद के होने के बावजूद अभी भी अवैध शराब की बिक्री हो रही है। जिसके कारण मोहल्ले में आए दिन लड़ाई-झगड़े एवं मारपीट की स्थिति बनी रहती है। अवैध शराब की बिक्री होने से अब मोहल्ले के छोटे बच्चे भी शराब का सेवन कर रहे हैं। महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। सड़क पर शराबियों के गाली-गलोज के कारण मोहल्ला खराब हो गया है। इसके अलावा वार्ड में पानी की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। नल से सुबह व शाम सिर्फ आधा घंटा ही पानी मिलता है, जिसके कारण पानी के लिए भटकना पड़ता है। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने आबकारी विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम पंचायत बोरीगारका सरपंच ने पानी टंकी मरम्मत एवं नया पाईप लाईन बिछाने आवेदन दिया। बोरीगारका में पूर्व में अमृत जल मिशन अंतर्गत पानी टंकी का निर्माण किया है, किंतु वर्तमान में वह क्षतिग्रस्त एवं लिकेज है। ग्राम में हैंडपंप से पानी की आपूर्ति किया जाता है। पानी टंकी की मरम्मत हो जाने से ग्रामवासियों को पानी के लिए परेशानियों का सामना नही करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने उतई-रिसामा मार्ग में नई पाईप लाईन बिछाने के लिए आवेदन दिया। सड़क चौड़ीकरण करने के दौरान पाईप लाईन पूरी तरह से टूट गया है, जिससे कारण लोगों के घरों में पानी नही पहुंच पाता है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निरीक्षण कर कार्यवाही करने को कहा।

विनायकपुर के कृषकों ने आने जाने हेतु रास्ता दिलाने आवेदन दिया। कृषकों ने बताया कि ग्राम विनायकपुर के तांदुला नदी पर बड़ा पुल का निर्माण किया गया है, जिसके किनारे से किसानों के आने जाने हेतु रास्ता बनाया गया है, लेकिन उसमें ट्रेक्टर, ट्राली गाड़ी ऊपर चढ़ नही पाता है क्योकि पुल की ऊंचाई अधिक है जिसके कारण किनारे का रास्ता बहुत ऊंचा हो गया है। वर्तमान में बना हुआ सड़क सकरा है। तीनों तरफसे गाड़ी आने जाने में हमेशा दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित विभाग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

खास खबर

आज से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा-2025 का आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में 08 अप्रैल 2025 से 22 अप्रैल 2025 तक पोषण पखवाड़ा 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कुपोषण मुक्ति हेतु जनजागरूकता लाना तथा स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना है। इस संदर्भ में मुख्य रुप से कई थीम्स पर गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। जिसमें जीवन के प्रथम 1000 दिवस पर विशेष ध्यान देना, पोषण ट्रैकर को प्रोत्साहित करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार, सी-मैम मॉड्यूल के माध्यम कुपोषण का प्रबंधन, बच्चों में मोटापे की समस्या को रोकने के लिए स्वस्थ्य जीवन शैली के संबंध में जागरुकता शामिल है। सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर पोषण पखवाड़ा 2025 को सफल बनाने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया है। साथ ही, पोषण पखवाड़ा 2025 के प्रभावी आयोजन हेतु सभी विभागों को अपने कार्यक्षेत्र में संबंधित गतिविधियों की योजना बनाने तथा उनके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने कहा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायतों, स्वंयसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अन्य संबंधित संगठनों की सक्रिय भागीदारी होगी। पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत प्रतिदिन आयोजित की जाने वाली गतिविधियां कैलेण्डर एवं सहयोगी विभाग के कार्य दायित्व परिशिष्ट-01 पर संलग्न की गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु 22 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 के अंतर्गत संचालित तीन नवीन स्वीकृति केन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद पर नियुक्ति की जानी है। नियुक्ति हेतु आवेदन 22 अप्रैल 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 में आमंत्रित किया गया था। आवेदन नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा रोड भिलाई 03 में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से भेजा जा सकता है। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 से प्राप्त जानकारी अनुसार नवीन स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्र शीतला पारा भिलाई-03 वार्ड-09 नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा, हाउसिंग बोर्ड कालोनी उमदा वार्ड क्रमांक 06 नगर पालिका निगम भिलाई चरोदा तथा देवनगर जामुल वार्ड क्र. 17 नगर पालिका परिषद जामुल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती की जानी है। एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज एवं नगरी क्षेत्र होने पर संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाना होगा।

दुर्ग में बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या, विधायक रिकेश ने की मुख्यमंत्री से चर्चा, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के उरला ओम नगर में मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा की। विधायक रिकेश सेन ने दुर्ग में एक 6 वर्ष की मासूम के साथ दरिंदगी पूर्ण हरकत कर उसकी हत्या करने वाले आरोपी का मुकदमा फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की मांग करते हुए दुर्ग के सुधि अधिवक्ताओं से यह मार्मिक अपील की है। वहीं अमानवीय कृत्य पर भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं रायपुर प्रभारी

मनीष पाण्डेय ने दुख जताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की।

विधायक सेन ने कहा कि दुर्ग में नवमी कन्या भोज के लिए घर से निकली मासूम को दर्दनाक मौत देकर कुछ लोगों ने मानवता को शर्मसार किया है। इस दिल दहला देने वाली घटना में छह साल की बच्ची का रेप कर के उसके सगे चाचा ने उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से दिल दहलाने वाली यह घटना है। मैं आज बहुत दुखी हूं, मैंने तत्काल माननीय मुख्यमंत्रीजी से बात की है। मैं बार एसोसिएशन और अधिवक्ताओं से अपील करता हूं कि ऐसी दरिंदगी पूर्ण हरकत करने वाले आरोपी का कोई भी केस न लड़ें। उसे निश्चित रूप से फांसी की सजा होगी। भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं रायपुर प्रभारी मनीष पाण्डेय ने इस अमानवीय कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि समाज में ऐसे अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने दोषियों के लिए कठोर से कठोर सजा की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और दिवंगत बच्ची को न्याय मिल सके। श्री पाण्डेय ने कहा कि यह घटना न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए दर्दनाक है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस मुश्किल समय में हम सब उनके साथ खड़े हैं।

सुशासन तिहार-2025 जनसमस्याओं के समाधान का महाअभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सुशासन तिहार-2025 को जिले में व्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने के लिए आज अधिकारियों की बैठक में योजना बनाकर कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के नगर निगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली एवं भिलाई-3 चरोदा में शिविर स्थल चिन्हांकित कर शिविर हेतु तिथियां निर्धारित एवं प्रभारी अधिकारी नियुक्त करने निर्देशित किया। 08 से 11 अप्रैल 2025 तक लोगों की समस्या संबंधी आवेदन प्राप्त कर निगम वार इनकी एंट्री की जाए। नगर निगमों के चिन्हित स्थलों पर समाधान पेटी रखी जाए ताकि आम जनता नि:संदेश अपनी समस्या संबंधी आवेदन समाधान पेटी में डाल सके। इसी प्रकार की व्यवस्था ग्राम पंचायतों में भी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक जनपद में समाधान पेटी रखी जाए और प्रतिदिन प्राप्त आवेदनों की जनपद वार एंट्री की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि विभागवार आवेदनों को पृथक करने अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि आवेदक एक आवेदन पत्र में एक ही विभाग से संबंधित समस्या के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत करे।

मनरेगा श्रमिकों ने मनाया रोजगार दिवस योजनाओं और अधिकारों की दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रमिकों को उनके अधिकारों, योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य मजदूरों को उनकी मेहनत का सही भुगतान, आधार-आधारित भुगतान प्रणाली और अन्य योजनाओं के बारे में जागरूक करना था।

ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत चल रहे स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण और गांव के विकास के लिए विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता अभियान चलाया गया। कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत गुड गवर्नेंस के मानकों को प्राथमिकता दी जा रही है। रोजगार दिवस के दौरान श्रमिकों को मनरेगा अधिनियम के प्रावधानों और उनके अधिकारों के बारे में समझाया गया। साथ ही योजना में किए गए नवीन संशोधनों और प्रावधानों के बारे में प्रचार-प्रसार किया गया। नए परिवारों का पंजीकरण और रोजगार कार्ड में नए सदस्यों के नाम जोड़ने के लिए आवेदन भी प्राप्त किए गए।

मजदूरी भुगतान और लंबित मजदूरी भुगतान की जानकारी दी गई और श्रमिकों को रोजगार अवसरों के बारे में बताया गया। इस दौरान, विभिन्न निर्माण कार्यों की जानकारी भी दी गई, जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, वृक्षरोपण, नाली निर्माण, डबरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, नवीन पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, और उचित मूल्य की दुकान आदि। मनरेगा के तहत ऑनलाइन एन.एमएमएस ऐप और ई-एम.बी. ऐप के जरिए आधार-आधारित भुगतान और मूल्यांकन की प्रक्रिया को भी बताया गया।

बीएसपी के जन स्वास्थ्य विभाग ने मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग ने 07 अप्रैल 2025 को अपना वार्षिक उत्सव महात्मा गाँधी कला मंदिर में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यपालक निदेशक डॉ एम रविन्द्रनाथ की अध्यक्षता में स्वच्छता दूतों का सम्मान कर मनाया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में रिजनल डायरेक्टर (पर्यावरण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन) डॉ अनिता सावंत, शंकराचार्य विश्वविद्यालय की एचओडी डॉ कोमल मेश्राम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ कौशलेंद्र ठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सीएसआर) उत्पल

दत्ता, सेफी चेयरमेन व ओए-बीएसपी के अध्यक्ष श्री एन के बंछोर मंचासीन थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पवन कुमार व अन्य गणमान्य अतिथियों ने 160 स्वच्छता दूतों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वच्छता और पर्यावरण पर आधारित दो लघु फिल्मों 'परिवर्तन और सूखा कचरा' तथा 'गीला कचरा' का प्रदर्शन भी किया गया जिसे लोगों ने काफी सराहा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा पीएचडी विभाग के कर्मियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक विष्णु के पाठक, महाप्रबंधक के के यादव, महाप्रबंधक प्रशान्त तिवारी, महाप्रबंधक एम के साहू, महाप्रबंधक डॉ एन के जैन, उप महाप्रबंधक आर गर्ग, उप महाप्रबंधक राजीव कुमार, ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव परविंदर सिंह, सहायक महाप्रबंधक सरोज झा व यशवंत कुमार साहू, वरिष्ठ प्रबंधक आर के गुप्ता व वी के भोंडेकर, सहायक प्रबंधकद्वय देवानंद चैहान और श्री अंकुर मानिकपुरी सहित नगर प्रशासन विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में सफाई मित्र शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए श्री पवन कुमार ने कहा की सफाई मित्रों की शहर में बहुत बड़ी भूमिका है, लोग कचरा फेंकते हैं और आप स्वच्छता दूत इसे समेटते हैं व शहर के कचरे को भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा स्थातिप एसएलआरएम सेंटर में रिसाइकिल किया जाता है।

संपत्ति संबंधी लेन-देन में पूरी सावधानी बरते

संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक रहे, सदैव उचित कानूनी सलाह लें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला प्रशासन के समक्ष कुछ प्रकरण आए है, जिनमें कई व्यक्ति पॉवर ऑफ अटॉर्नी (मुख्तारनामा) के माध्यम से अपनी संपत्तियों का हस्तांतरण कर रहे हैं। जबकि पॉवर ऑफ अटॉर्नी एक ऐसी विधिक लिखत है, जिससे किसी एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति की ओर से मात्र एक एजेन्ट के रूप में कार्य करने का अधिकार दिया जाता है। आममुख्त्यारनामा का दुरूपयोग धोखाधड़ी और वित्तीय नुकसान का कारण बन सकता है।

पावर ऑफअटॉर्नी या मुख्त्यारनामा या अधिकार पत्र, एक ऐसी लिखत है, जो किसी दूसरे व्यक्ति को आपकी ओर से आपकी संपत्ति या अन्य मामलों में कार्य करने के लिए दिया जाता है। जैसे संपत्ति का सौदा करना, संपत्ति को बंधक रखकर ऋण लेना, संपत्ति का विक्रय करना आदि। यह सुविधा खास तौर पर उनके लिए

उपयोगी होती है जो व्यक्ति स्वयं उपस्थित होकर कार्य न कर सकें। जैसे कि विदेश में रहने वाले या अन्य राज्यों में रहने वाले व्यक्ति, ऐसे व्यक्ति जो गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने के कारण उक्त कार्य नहीं कर सकते। वृद्धावस्था के कारण स्वयं कार्य नहीं कर सकते आदि। ऐसे व्यक्ति जो स्वयं अपनी संपत्ति का प्रबंधन कर सकते हैं, स्वयं बैंक एवं अन्य कार्यालय जा सकते हैं, उन्हें पॉवर ऑफअटॉर्नी नहीं देनी चाहिए।

अनजान व्यक्ति को बिल्कुल न दें। ऐसे व्यक्ति जिनकी वित्तीय या सामाजिक पृष्ठभूमि संदिग्ध हो। अवैध प्लाटिंग, जमीन कब्जा या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े लोगों को।

पॉवर ऑफ अटॉर्नी देने से अटॉर्नी धारक (जिसे मुख्त्यारनामा दिया गया है) उस संपत्ति के संबंध में कई कार्य कर सकता है, जैसे कि संपत्ति बेचना, उस पर ऋण लेना या उसका स्वरूप बदलना। अटॉर्नी धारक के द्वारा संपत्ति के संबंध में किया गया हर कार्य चाहे वह कानूनी हो या गैर कानूनी, इन सबकी जिम्मेदारी मूल मालिक की ही बनी रहती है। इसलिए पॉवर ऑफअटॉर्नी देने से पहले व्यक्ति की पृष्ठाभूमि, विश्वनीयता और इरादों की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर ले और केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही दें।

पॉवर ऑफ अटॉर्नी एक अस्थायी व्यवस्था है और इसे कभी भी रद्द किया जा सकता हैं। यदि पॉवर ऑफ अटॉर्नी देने वाले की मृत्यु हो जाती है या वह दिवालिया घोषित हो जाता है, तो पॉवर ऑफअटॉर्नी स्वत: ही समाप्त हो जाती है। मूल मालिक जब चाहे इसे रद्द करा सकता है। ऐसी स्थिति में पॉवर ऑफ अटॉर्नी धारक द्वारा किए गए किसी भी कार्य को चुनौती दी जा सकती है, जिससे खरीदार मुश्किल में पड़ सकते हैं।

जब भी आप कोई संपत्ति खरीदने का निर्णय लें, तो अनिवार्य रूप से जमीन के मूल मालिक से मुलाकात करें और उनसे संपत्ति के सभी दस्तावेजों की मूल प्रति प्राप्त कर स्वयं सत्यापित करें। किसी भी मध्यस्थ या पॉवर ऑफअटॉर्नी धारक पर पूरी तरह से भरोसा न करें। संपत्ति के लिए किये जाने वाले सभी भुगतान, चाहे वह नगद हो या चेक के माध्यम से, हमेशा जमीन के मूल मालिक को ही करें।

कब और किसे दे अपनी संपत्ति का पॉवर ऑफ अटॉर्नी

केवल और केवल विश्वनीय व्यक्ति, जिन्हें आप बहुत अच्छे से परिचित है केवल उन्हें ही आम मुख्त्यार नियुक्ति किया जाना चाहिए। जैसे करीबी परिजन, मित्र आदि। यदि पॉवर ऑफअटॉर्नी किसी विशेष कार्य के लिए देना आवश्यक हो तो केवल उसी कार्य के करने हेतु सीमित अधिकार के लिए दिया जाना चाहिए। जैसे यदि किसी संपत्ति को केवल किराए पर देना चाहते हैं, जो केवल किरायानामा निष्पादित करने के लिए आम मुख्त्यार नियुक्ति करें। यदि केवल ऋण लेना चाहते हैं तो केवल ऋण लेने के लिए ही अधिकार देवें, अन्य कोई अधिकारी नहीं देना चाहिए। इन अधिकारों को स्पष्ट रूप से आम मुख्त्यारनामा विलेख में लिखवाएं, जो अधिकार प्रदान नहीं कर रहे हैं, उन्हें न लिखवाएं या स्पष्ट रूप से लिखवाएं कि इस आम मुख्त्यारनामा के द्वारा कौन-कौन से कार्य नहीं किया जा सकते हैं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छोटे बच्चों ने मन मोह लिया

रायपुर। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के अवसर पर जैन दादाबाड़ी में आयोजित समृद्धि प्रेजेंट वीरा जॉयलेंड में फेन्सी ड्रेस व 2 मिनट प्ले में गर्वित कोचर 4 वर्ष व दृती बैद 3 वर्षको पुरस्कृत किया गया। गर्वित कोचर ने भगवान महावीर स्वामी के शिष्य अतिमुक्त मुनि का प्ले किया। बालक अतिमुक्त गौतम स्वामी से प्रभावित होकर महावीर स्वामी के पास दीक्षित होते हैं। एक समय अन्य साधुओं के साथ पदयात्रा करते समय कुछ बच्चों को पानी में नाव चलाकर खेलते देखते हैं और स्वयं भी अपने पात्र को पानी में तैरा कर खेलते हैं। महावीर प्रभु के सम्मुख आने पर अन्य साधुओं के बताने पर प्रभु अतिमुक्त मुनि को इरियावहियम का प्रायश्चित देते हैं। बालक अतिमुक्त मुनि को इरियावहियम के चिंतन में केवलज्ञान की प्राप्ति हो जाती है। गौरव प्रेरणा कोचर के 4 वर्षीय पुत्र गर्वित कोचर को इस 2 मिनट की प्रस्तुति में अतिमुक्त के ड्रेस व प्ले के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। राहुल सोनल बैद की पुत्री दृती बैद ने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव की पुत्री ब्राम्ही का रोल प्ले किया, पिता ऋषभदेव से शिक्षा प्राप्त कर ब्राम्ही लिपि की शिक्षा जनमानस को दी यही से ब्राम्ही लिपि का आरम्भ हुआ। गर्वित कोचर व दृती बैद को इस सारगर्भित प्ले के लिए पुरस्कृत किया गया।

संध्या बनीं ब्राम्हण समाज केंद्रीय समिति की महिला प्रांताध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ ब्राम्हण समाज केंद्रीय समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिवाकर तिवारी के अग्रोहा कॉलोनी स्थित निवास पर आयोजित बैठक में महिला प्रांत अध्यक्ष डॉ. संध्या शिवेंद्र तिवारी को बनाया गया। महासचिव की जिम्मेदारी बिहारी लाल शर्मा, आकाश दुबे, अजय शर्मा, सुषमा तिवारी को दी गई। वहीं उपाध्यक्ष भारतरत्न तिवारी, कोषाध्यक्ष नीरज दुबे, मीडिया प्रभारी सुनील शुक्ला व महिला प्रकोष्ठ की संरक्षक सुनीता शर्मा को बनाया गया।

अध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि बहुत जल्द ही शपथ ग्रहण समारोह भव्य रूप से आयोजित करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती पर कार्यक्रम करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है। बैठक में पूर्व अध्यक्ष विनय तिवारी, मनोज शर्मा, संजय दुबे, आशुतोष शर्मा, सुरेंद्र शुक्ल, आभा तिवारी, सुनीता शर्मा, डॉ. संध्या तिवारी, बिहारी लाल शर्मा, लक्ष्मीकांत तिवारी, संतोष दुबे, सुनील शुक्ला, राहुल शर्मा व आकाश दुबे आदि मौजूद थे।

खेल अकादमी के लिए चयन: खिलाड़ी 12 तक करा सकते हैं पंजीयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ खेल और युवा कल्याण विभाग की ओर से रायपुर जिले में खेल अकादमी के लिए चयन ट्रायल होगा। इसके लिए इच्छुक खिलाड़ी 12 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते हैं। तीरंदाजी और फुटबॉल खेल का चयन ट्रायल 21 से 23 अप्रैल और हॉकी व एथलेटिक्स खेल का चयन ट्रायल 25 से 27 अप्रैल 2025 को होगा। रायपुर जिले में संचालित आवासीय खेल अकादमी में हॉकी (बालक-बालिका), तीरंदाजी (बालक-बालिका) और वित्तीय वर्ष 2025-26 से संचालित की जाने वाली आवासीय खेल अकादमी फुटबॉल (बालक-बालिका) एवं एथेलेटिक्स (बालक-बालिका) का खेल अकादमी में खिलाड़ियों के नवीन प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन रायपुर जिले में किया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी खेल अधिकारी ने बताया है कि जिले के इच्छुक खिलाड़ी (बालक-बालिका) जो आयोजित ट्रायल में सम्मिलित होने चाहते है और उनकी आयु 13 से 17 वर्ष है। वे खिलाड़ी 12 अप्रैल 2025 तक कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण विभमें सयुंक्त जिला कार्यालय बलरामपुर में सबंधित खेल के उच्च स्तरीय खेल प्रमाण पत्र के साथ अपना जन्म प्रमाण-पत्र, आधारकार्ड, मार्कशीट की छायाप्रति व पासपोर्ट साईज की नवीनतम फोटो के साथ पंजीयन करा सकते है।

मई में लगेगी पांचवीं-आठवीं की कक्षाएं: परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए छात्र होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस बार मई माह में तपती गर्मी के बीच छात्रों की कक्षाएं संचालित होने वाली है। लेकिन ये कक्षाएं पढ़ाई में कमजोर छात्रों के लिए ही संचालित होंगी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी जिला शिक्षा कार्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 30 अप्रैल तक परीक्षा परिणाम घोषित करें। पांचवीं-आठवीं के जो विद्यार्थी इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होंगे, उन्हें अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए मई माह में अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इसके बाद उनकी पुन: परीक्षा होगी अर्थात छात्रों को पूरक परीक्षा में बैठना होगा।

डीपीआई के दिशा-निर्देशों के मुताबिक दोनों ही कक्षाओं का मूल्यांकन 15 अप्रैल तक सभी जिलों को पूर्ण करना होगा। इसके पश्चात 25 अप्रैल तक अंकसूची तैयार की जाएगी। 28 अप्रैल तक अंकसूची विकासखंड शिक्षा कार्यालय के माध्यम से स्कूलों को वितरित की जाएगी, जहां वे छात्रों के परिणाम घोषित करेंगे। गौरतलब है कि पांचवीं कक्षा का मूल्यांकन कार्य 30 अप्रैल से तथा आठवीं कक्षा का मूल्यांकन कार्य 4 अप्रैल से प्रारंभ किया जा चुका है।

संचालित होगी अतिरिक्त कक्षाएं

वहीं लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा मुख्य परीक्षाओं की समय सारिणी जारी करने के साथ ही जनवरी माह में पूरक परीक्षाओं के लिए भी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए थे। डीपीआई द्वारा अपने आदेश में कहा गया है कि 30 अप्रैल को परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए विषय विशेषज्ञ शिक्षक कक्षाएं संचालित करेंगे। पूरक परीक्षाएं एक जून से होगी। ऐसे में अतिरिक्त कक्षाएं मई में ही आयोजित की जाएंगी। इसके लिए समय सहित अन्य चीजों का निर्धारण जिला स्तर पर किया जाएगा। अतिरिक्त कक्षाएं मई माह में संचालित की जाएंगी। इसके बाद उनकी पुन: परीक्षा होगी अर्थात छात्रों को पूरक परीक्षा में बैठना होगा।

किया जा रहा है उत्तरपुस्तिकाओं का पुन: मूल्यांकन

शिक्षकों को मूल्यांकन के लिए एक दिन में अधिकतम 40 उत्तरपुस्तिकाएं दी जा रही हैं। पांचवीं के मूल्यांकनकर्ता को प्रति कॉपी 2 रुपए तथा आठवीं कक्षा के मूल्यांकनकर्ता को प्रति कॉपी 3 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र में एक मुख्य मूल्यांकनकर्ता भी नियुक्त किया गया है। इनके द्वारा शिक्षकों द्वारा जांची गई 5 प्रतिदिन उत्तरपुस्तिकाओं का पुन: मूल्यांकन किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि मूल्यांकन कार्य उचित रूप से किया जा रहा है या नहीं। मुख्य मूल्यांकनर्ता को प्रतिदिन 100 रुपए तथा मूल्यांकन केंद्राध्यक्ष को 150 रुपए प्रतिदिन की दर से भुगतान किया जाएगा।

डीपीआई के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, दोनों ही कक्षाओं का मूल्यांकन 15 अप्रैल तक सभी जिलों को पूर्ण करना होगा। इसके पश्चात 25 अप्रैल तक अंकसूची तैयार की जाएगी। 28 अप्रैल तक अंकसूची विकासखंड शिक्षा कार्यालय के माध्यम से स्कूलों को वितरित की जाएगी, जहां वे छात्रों के परिणाम घोषित करेंगे। गौरतलब है कि पांचवीं कक्षा का मूल्यांकन कार्य 30 अप्रैल से तथा आठवीं कक्षा का मूल्यांकन कार्य 4 अप्रैल से प्रारंभ किया जा चुका है।

प्रापर्टी खरीदने वालों की पसंद: इस साल बढ़ा टारगेट, 41 हजार संपत्तियों की हुई रजिस्ट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सर्वर की समस्या ने वित्तीय वर्ष के अंतिम सप्ताह में सबसे अधिक परेशान किया है। दरअसल इसका सीधा असर करीब 50 करोड़ के पंजीयन पर पड़ा है। इस वजह से पिछले कई दिनों से तो इक्का-दुक्का रजिस्ट्री ही हो सकी है। और लोगों को स्लाट कैंसिल कराते हुए लौटना पड़ा।

सूत्रों के मुताबिक बिलासपुर के 41 हजार रजिस्ट्री संपत्तियों को खरीदने वालों में से 10 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो प्रदेश के बाहर के हैं। इससे साफ है कि बिलासपुर में हो रहे विकास का असर लोगों को दिखने लगा है। बिलासपुर के पंजीयन विभाग को इस साल लक्ष्य के विरुद्ध हालांकि कम आय प्राप्त हुई है। ज्ञात हो कि प्रदेश भर से ज्यादा रजिस्ट्री हुई है, लेकिन बीते साल से आंकड़ा काफी कम है। पिछले साल बिलासपुर में 350 करोड़ का कारोबार हुआ था। इस साल लेकिन 320 करोड़ के करीब ही खरीदी बिक्री हो सकी। इस साल रजिस्ट्री कम हुई हैं। इसके पीछे अवैध प्लाटिंग और सुगम एप में हुई सख्ती के कारण आंकड़े गिरना बताया जा रहा है।

बिलासपुर पंजीयन विभाग ने आंकड़ा किया पार

राज्य सरकार लगातार पांच साल से रजिस्ट्री का टारगेट बढ़ाती रही है क्योंकि हर साल रिकार्ड रजिस्ट्री से राजस्व मिलता रहा। पिछले साल भी 2023-24 में 350 करोड़ से ज्यादा का लक्ष्य जिले को दिया ठाया था। जिसे बिलासपुर पंजीयन विभाग में पार कर दिया था। इस साल इस टारगेट को और बढ़ा दिया गया और इसे 470 करोड़ रुपए कर दिया गया था। हालांकि 320 करोड़ तक ही जिला पहुंच सका था। आवासीय प्लाटों की ज्यादा हुई बिक्री अहम बात यह है कि अन्य प्रदेश के लोग भी बिलासपुर में अपना आशियाना बनाना चाहते हैं। चीते एक साल में सबसे ज्यादा बिकी आवासीय प्लाटों की हुई है। इसके अलावा सरकारी एजेंसियों को रिआयती फ्लेट जी बिके हैं। बिलासपुर के बढ़ रहे कयरे और सुविधाओं के कारण लोग अपने लिए आशियाना यहां बनाला चाह रहे है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश अर में संपतियों की खरीदी-बिक्री में रायपुर जहां सबसे आगे रहा तो बिलासपुर दूसरे नंबर पर रहा है। बिलासपुर में कुल 41 हजार 986 रजिस्ट्री हुई।

बार-बार सर्वर खराब होने से लोग हुए परेशान

खरीदी बिक्री मार्च के अंतिम सप्ताह में रजिस्ट्री का सर्वर जाम रहा। दर असल सालकर में सबसे ज्यादा मार्च में ही लोग रजिस्ट्री करते हैं लेकिन बार-बार सर्वर खराब होने से लोगों को रजिस्ट्री के बिना ही कई लोगों को लौटना पड़झा आमदिनों में रोज औसतन 150 से ज्यादा रजिस्ट्री होती है। मार्च में यह आंकड़ा बढ़ जाता है, लेकिन सर्वर इतना स्लो रहा कि बड़ी मुश्किल से 20 लोगों की ही रजिस्ट्री हो पाई। अंतिम तीन दिन तो और परेशनी रही। सर्वर इतना सलो रहा कि 200 से अधिक लोगों को सलाट दिया गया था लेकिन 60 से अधिक रजिस्ट्री नहीं हो सकी। एक-दो रजिस्ट्री के बद सर्वर फिर बंद हो जा रहा व। 31 मार्च को आखिरी दिन करीब डेढ़ सौ रजिस्ट्री जरूर हुई जिससे विभाग को लगभग डेढ़ करोड़ रुपए का राजस्व मिला है।

ई-कुबेर से कोषालय देयकों का पुनर्भुगतान 10 तक

रायपुर। संचालनालय कोष एवं लेखा, छत्तीसगढ़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में ई-कुबेर प्रणाली के अंतर्गत असफल रहे संव्यवहारों के पुनर्भुगतान 10 अप्रैल 2025 तक किया जा सकेगा। पूर्व में यह समय-सीमा केवल उन संव्यवहारों के लिए थी जो 31 मार्च को असफल हुए थे। अब संशोधन के तहत 31 मार्च तक के समस्त असफल लेन-देन इस व्यवस्था के अंतर्गत लाए गए हैं। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, इंद्रावती कोषालय रायपुर ने सभी संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को संशोधित समय-सीमा में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

कोई प्यासा ना रह जाए - चलो पक्षी बचाओ अभियान के तहत किया गया हजारों सकोरे व दाना का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राम नवनी के पवन अवसर पर नेकी कर संस्था द्वारा भीषण गर्मी से बेजुबान पक्षियों को बचाने के लिए इस वर्ष भी 1200 सकोरे व 2400 पैकेट दाना का वितरण किया गया।

यह आयोजन संस्था द्वारा राम मंदिर प्रांगण में नेकी कर संस्था द्वारा इस आयोजन में संस्था के कार्यकर्ता द्वारा शहर वासियो के बीच पक्षी प्रेम हेतु जागरूकता व भीषण गर्मी में सकोरे के महत्व को बताया गया और पशु के प्रति प्रेम भाव के लिए प्रेरित किया गया। नेकी कर संस्था द्वारा पशु के प्रयास को शांत करने के लिए कोटने का वितरण भी किया जा रहा है यही आप भी पशु प्रेमी है तो संस्था से सकोरा या कोटना प्राप्त कर सकते है।

प्री बीएड व प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित, 25 अप्रैल तक कर सकते हैं आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्री बीएड एवं प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित की गई है। इसके लिए व्यापम द्वारा अभ्यार्थियों से ऑनलाईन आवेदन की तिथि निर्धारित की गई है। प्री बीएड एवं प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभिक तिथि 28 मार्च से शुरू हो गई है। प्री बीएड एवं प्री डीएलएड में इच्छुक अभ्यार्थी 25 अप्रैल 2025 तक शाम 5 बजे तक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए त्रुटि सुधार की तिथि 26 अप्रैल से 28 अप्रैल शाम 5 बजे तक तय किया गया है। व्यापम द्वारा प्री बीएड एवं प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षाओं की संभावित तिथि 22 अप्रैल 2025 निर्धारित किया गया है। परीक्षा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थी इस संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए व्यापम की वेबसाईट https://vyapamcg.cgstate.gov.in/ पर अवलोकन कर सकते हैं।

82 किमी की बन रही मुख्य नहर, 120 गांव के किसान उठाएंगे फायदा, 28 हजार हेक्टेयर में होगी सिंचाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजीव समोदा-निसदा डायवर्सन योजना (फेस-2) के अंतर्गत निर्माणाधीन ट्रफ एवं डीआरबी कार्य का मुख्य तकनीकी परीक्षक आर पुराम ने आज स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन एक्वाडक्ट की गुणवत्ता की नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग उपकरण से जांच की। साथ ही प्रयोगशाला परीक्षण के लिए सैंपल लिए। यह परीक्षण रायपुर स्थित प्रयोगशाला में किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पुराम ने उक्त कार्य के संबंध में भू-अर्जन एवं वन स्वीकृति की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि कार्य में अनावश्यक विलंब न हो।

मुख्य तकनीकी परीक्षक ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 82 किलोमीटर लंबाई की मुख्य नहर का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे लगभग 28,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे कुल 120 गांवों को लाभ मिलेगा, जिनमें से 12 गांव आरंग ब्लॉक और 108 गांव बलौदाबाजार जिले के अंतर्गत आते हैं। यह नहर निसदा (आरंग) से प्रारंभ होकर ग्राम मुंडा (कसडोल) तक जाएगी।

राजीव समोदा-निसदा डायवर्सन योजना का मुख्य उद्देश्य महानदी मेन केनाल के जल को भाटापारा ब्रांच केनाल में डायवर्ट कर बलौदाबाजार एवं भाटापारा अंचल के गांवों को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराना है। योजना की शुरुआत वर्ष 2005 में की गई थी, किंतु भू-अर्जन एवं वन स्वीकृति की प्रक्रिया में विलंब के कारण आज तक पूर्ण नहीं हो सकी है। पुराम ने इस योजना को अटल सिंचाई योजना (जो वर्तमान में बजट में प्रावधानित है) के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्राथमिकता देते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे कृषकों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि निरीक्षण की संपूर्ण रिपोर्ट संगठन द्वारा जारी की जाएगी, जिसका जवाब कार्यपालन अभियंता, द्वितीय चरण, रायपुर से 15 दिवस के भीतर प्राप्त किया जाएगा।

भू-जल के दोहन पर रखी जाए सतत् निगरानी संवर्धन के लिए करें आवश्यक उपाय

जल संसाधन विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को जारी किया पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में भू-जल सर्वेक्षण एवं दोहन पर सतत् निगरानी रखते हुए भू-जल संवर्धन के लिए आवश्यक संरचनाओं का निर्माण मनरेगा, जिला खनिज न्यास मद एवं आपदा प्रबंधन कोष आदि के माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस आशय के आदेश मंत्रालय महानदी भवन स्थित जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी किया गया है।

पत्र में क्षेत्रीय निदेशक केंद्रीय भूमि जल बोर्ड भारत सरकार, जल शक्ति मंत्रालय, द्वारा तैयार की गई भू-जल सर्वेक्षण रिपोर्ट को संदर्भित कर कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में 146 विकासखंड हैं जिसमें से 5 विकासखंड जिनमें बालोद जिले के गुरूर, बेमेतरा जिले के नवागढ़, बेमेतरा, बेरला और रायपुर जिले के धरसींवा भू-जल संर्वेक्षण एवं दोहन रिर्पोट के हिसाब से संकटकालीन (क्रिटिकल) स्थिति में है। रिर्पोट के अनुसार 21 विकासखंड जिनमें बालोद जिले के बालोद, गुंडरदेही, बेमेतरा जिले के साजा, बिलासपुर जिले के तखतपुर, बेल्हा, धमतरी जिले के धमतरी और कुरूद तथा दुर्ग जिले के दुर्ग और धमधा गरियाबंद जिले के राजिम व फिंगेश्वर, कबीरधाम जिले के पंडरिया, कांकेर जिले के चारामा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के खैरागढ़, महासमुंद जिले के बसना व पिथौरा, रायगढ़ जिले के पुसौर, राजनांदगांव जिले के राजनांदगांव, डोंगरगांव, डोंगरगढ़ और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला तथा सुरजपुर जिले के सुरजपुर विकासखंड अर्धसंकटकालीन (सेमी क्रिटिकल) स्थिति में है। शेष 120 विकासखंड को रिर्पोट में सुरक्षित माना गया है।

फ्लोरल ड्रेस में भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने ढाया कहर, कातिल अदाओं पर फिदा हुए फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की ग्लैमरस क्वीन मोनालिसा इन दिनों छुट्टियां मना रही हैं और सोशल मीडिया पर अपनी दिलकश तस्वीरों से फैन्स का दिल जीत रही हैं। हाल ही में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह फ्लोरल प्रिंट की स्लीवलेस ड्रेस में नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों में मोनालिसा का अंदाज बेहद बोल्ड और ग्लैमरस दिखाई दे रहा है। पिंक और व्हाइट फ्लोरल ड्रेस में मोनालिसा बेंच पर लेटी हुई पोज देती नजर आईं। उनका कॉन्फिडेंस और कैमरे के लिए सहजता फैंस को दीवाना बना रही है। मोनालिसा ने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, उन पलों को कैद करें जो आपके दिलों को मुस्कुराहट दे और उनकी यह स्माइल वाकई फैंस के चेहरे पर मुस्कान ला रही है।

फैंस कमेंट सेक्शन में लगातार हार्ट और फायर इमोजी के जरिए अपने प्यार का इज़हार कर रहे हैं। किसी ने उन्हें गॉर्जियस कहा तो किसी ने उनकी अदा को किलर बताया। बताते चलें कि मोनालिसा न सिर्फ भोजपुरी बल्कि टीवी इंडस्ट्री में भी एक जाना-पहचाना नाम हैं। अपने फैशन और स्टाइल सेंस से वह हमेशा सुर्खियों में रहती हैं।

नीना गुप्ता ने इंटीमेट लाइफ को लेकर दिया बड़ा बयान

बोलीं- 95 फीसदी महिलाओं को नहीं है पता

नीना गुप्ता ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें लगता है कि सेक्स ओवररेटेड है। यहां तक कि भारतमें 95 प्रतिशत महिलाओं को पता ही नहीं है कि सेक्स प्लेजर के लिए होता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह देश-विदेश के मुद्दों से लेकर इंडस्ट्री तक के मुद्दों पर खुलकर अपनी राय देते हुए नजर आती हैं।

हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में उन्होंने ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान हो गया है। एक्ट्रेस ने कहा है कि उन्हें लगता है कि सेक्स ओवररेटेड है। यहां तक कि इंडिया में 95 प्रतिशत महिलाओं को पता तक नहीं है कि सेक्स प्लेजर के लिए होता है।

किस करने से हो जाते हैं प्रेग्नेंट

हाल ही में लिली सिंह के साथ बात करते हुए नीना गुप्ता ने कहा, हमारी फिल्मों में क्या दिखाया गया? अगर आप एक महिला हैं, तो आपका मूल उद्देश्य एक पुरुष को ढूंढना था। वास्तव में, बहुत समय तक मुझे लगा कि अगर हम किस करते हैं तो हम प्रेग्नेंट हो सकते हैं। मुझे सचमुच लगा कि यह सच है। हमारी फिल्मों ने हमें यही दिखाया गया है। इसके आगे नीना ने कहा कि पुरुषों को हमारी फिल्मों से क्या लेशन मिला, उन्होंने सीखा कि वे बॉस हैं। आज भी ज्यादातर फिल्मों से यही मुख्य सीख मिलती है।

पुरुषों से ज्यादा कमा रही हैं महिलाएं

नीना ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे बताया कि महिलाओं को फाइनेंशियल आजादी मिलने से हमारे सिस्टम में बहुत बदलाव आया है। महिलाओं के कमाने से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, क्योंकि वे पुरुषों से कुछ भी लेने को तैयार नहीं हैं। पहले वे कमाती नहीं थीं, वे शिक्षित नहीं थीं और उन्हें लाइफ जीनी पड़ती थी। अब, कुछ महिलाएं पुरुषों से ज्यादा कमा रही हैं और चीजें बदल रही हैं।

सेक्स एंजॉयमेंट के लिए होता है: नीना गुप्ता

नीना ने कहा कि जितना ज्यादा हम खुले तौर पर सेक्स पर चर्चा करेंगे, उतना ही कम हम पर नजर रखी जाएगी, क्योंकि इसे सामान्य माना जाएगा। मुझे महिलाओं और उनकी यौन इच्छाओं के लिए बहुत दुख होता है। नीना ने कहा, भारत में 99 प्रतिशत या कम से कम 95 प्रतिशत महिलाओं को नहीं पता कि सेक्स एन्जॉयमेंट के लिए भी है। कई अभी भी सोचती हैं कि सेक्स का इस्तेमाल सिर्फ पुरुषों को खुश करने और उनके बच्चे पैदा करने के लिए किया जाता है। बहुत कम महिलाओं ने महसूस किया है कि सेक्स एन्जॉयमेंट के लिए हो सकता है।

नाना राजेश खन्ना के नैन-नक्श लेकर पैदा हुआ अक्षय कुमार का बेटा

अक्षय कुमार का बेटा आरव कुमार रातों-रात लाइमलाइट में आ गया। आरव को कल रात स्पॉट किया गया, जिसमें सभी का ध्यान उनके नैन-नक्श पर गया। आरव को देखकर हर कोई यही कह रहा है कि यह बिल्कुल नाना राजेश खन्ना जैसा लग रहा है। आइए आपको दिखाते हैं आरव की लेटेस्ट तस्वीरें।

आरव कुमार में दिखी राजेश खन्ना की झलक

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार का बेटा आरव खन्ना वैसे तो बहुत कम ही मीडिया के सामने आता है, लेकिन जब भी वह कैमरे में कैद होता है हर जगह छा जाता है। आरव कुमार को कल रात ब्लैक कुर्ते-पजामे में गाड़ी में बैठते हुए स्पॉट किया गया। उनके साथ एक लड़की भी थी। आरव को इस तरह देखकर हर कोई यह कह रहा है कि वह अपने नाना राजेश खन्ना के जैसे लग रहे हैं।

नाना राजेश खन्ना की तरह चेहरा

कल रात जब आरव कुमार को स्पॉट किया गया इस लुक में उनका चेहरा बिल्कुल दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना से मिलता नजर आया। राजेश खन्ना की ही तरह उनके चेहरे पर भी नूर था। आरव की नाक और आँख बिल्कुल राजेश खन्ना के जैसी लग रही हैं। लेटेस्ट अपीरीयेंस में आरव कुमार ने अपने हाथ में बालों के रबड़ की तरह गजरा पहना था। उनकी स्माइल के साथ मानो गजरा भी महक रहा हो।

लाइमलाइट से दूर रहते हैं आरव

अक्षय कुमार के बेटे को लाइमलाइट में रहना पसंद नहीं है। वह अक्सर मीडिया से छिपते नजर आते हैं। आरव कुमार को बहुत कम स्पॉट किया जाता है।

पढ़ाई में अव्वल हैं आरव

अक्षय कुमार का बेटा अराव पढ़ाई में पूरा ध्यान लगाता है। वह फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आरव एक्टिंग में नहीं आना चाहता।

मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट हैं आरव

आरव ने छोटी उम्र से ही मार्शल आर्ट में गहरी रुचि दिखाई है, उन्होंने सिर्फ चार साल की उम्र से ही अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने ओकिनावा, कुडो और गोजू रयू कराटे में ब्लैक बेल्ट हासिल की है और जूडो की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

राजेश खन्ना वापिस आ गए

आरव की इस वायरल वीडियो को देखने के बाद लोग तरह-तरह के कॉमेंट कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने तो यह तक लिखा है कि राजेश खन्ना वापिस आ गए हैं।

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने सीफूड सैटरडे का उठाया लुत्फ

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपने घर पर सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया। सप्ताहांत के लिए मेन्यू में जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव के बिस्तर पर परोसा गया मेमना, बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल, स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद के साथ हनी बाल्समिक ड्रेसिंग और चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ प्रॉन स्पेगेटी शामिल थे।

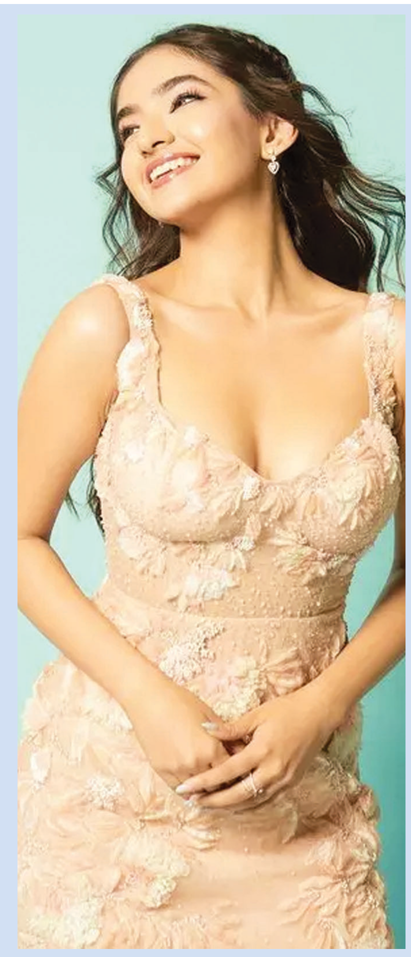

तारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, घर पर मैंने बहुत सारा बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल पकाया (तस्वीर में नहीं है क्योंकि हमने इसे किसी के फोटो खींचने से पहले ही खा लिया!) स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद शहद बाल्समिक ड्रेसिंग के साथ और पिया ने चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ एक प्यारा प्रॉन स्पेगेटी बनाया! सीफूड और हमारे सबसे पुराने दोस्तों के साथ शानदार व्हाइट ग्लास इससे ज्यादा और क्या चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, आखिरी तस्वीर में मैंने पहली बार पकाए गए लैम का एक बेहतरीन लेग पीस दिखाया है। जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव की परत पर परोसा गया, यह लाजवाब था। इससे पहले, तारा ने खुशी के बारे में अपने विचार बताए। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वह काले और सफेद धारीदार नाइट सूट में मस्ती करती नजर आ रही थीं। इस स्टनर ने 80 के दशक के सिंथ-पॉप ट्रैक पर शानदार लिप-सिंक किया।

उनकी पोस्ट का शीर्षक था, अपने पुराने दोस्तों के साथ अपने पीजे में बैठकर 80 के दशक के अपने पसंदीदा गाने बजाने जैसा कुछ नहीं... बहुत ही आनंददायक!!!! (यदि आप इंट्रो पर लिप सिंक नहीं करते हैं तो हम दोस्त नहीं बन सकते!!!) अपने काम के बारे में बात करते हुए, तारा हाल ही में ईशान खट्टर के साथ रोमांटिक ट्रैक प्यार आता है में नजर आईं। स्नेहा शेट्टी कोहली द्वारा निर्देशित, इस मधुर गीत को श्रेया घोषाल ने रीतो रीबा के साथ मिलकर आवाज दी है। प्यार आता है की शूटिंग कश्मीर के पहलगाम में माइनस 10 डिग्री तापमान में की गई थी।

प्रेग्नेंट हैं अंकिता लोखंडे? पति विकी जैन ने किया खुलासा

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अक्सर अपनी प्रेग्नेंसी की अफ्वाहों को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इस मामले पर अब उनके पति विकी जैन ने खुलकर बात की और बताया कि अब कभी भी खुशखबरी मिलेगी।

टीवी इंडस्ट्री की फेमस जोड़ी अंकिता लोखंडे और विकी जैन को फैंस काफी पसंद करते हैं। यह दोनों साथ में बिग बॉस 17 के घर में भी गए थे। फिलहाल ये कपल साथ में कलर्स के रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स में नजर आ रहे हैं। इन दोनों की केमिस्ट्री को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अंकिता और विकी की शादी साल 2021 में धूमधाम से हुई थी। अब कई बार अंकिता के प्रेग्नेंट होने की खबरों को हवा भी मिल चुकी है, लेकिन अब इस अफ्वाह पर पति विकी जैन ने चुप्पी तोड़ी है।

अब कभी भी मिलेगी खुशखबरी

लाफ्टर शेफ्स के सेट पर कई बार उनके दोस्त उन्हें बच्चे को लेकर चिढ़ाते रहते हैं। अब विकी जैन ने द्ब2द्वह्ल55 से खास बातचीत के दौरान बताया कि अब कभी भी हमें भी खुशखबरी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि देखो, बेबी तो करना ही है, बेबी से स्पेशल चीज भी हमारे बीच कुछ होगा नहीं और हम दोनों बहुत उत्साहित हैं। मेरे ख्याल से प्लान क्या, अब प्लान बस चालू है। शादी हो गई है, शादी होने एक प्लानिंग होता है। इसके बाद अब कभी भी खुशखबरी हमें भी मिलेगी और शायद आप सभी को भी।

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और विकी जैन वर्कफ्रंट

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और विकी जैन के वर्कफ्रंट की बात करें तो दोनों पहले लाफ्टर शेफ्स के सीजन 1 में साथ नजर आए थे और इसके बाद दोनों लाफ्टर शेफ्स के सीजन 2 में भी नजर आ रहे हैं। वहीं रियलिटी शो में इस बार विकी काफी सीरियसली कुकिंग कर रहे हैं और अंकिता की टेस्टिंग स्किल्स की वजह से दोनों स्टार्स बटोर रहे हैं।

जन्नत फेम सोनल चौहान मिनी ड्रेस में दिए किलर पोज, हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनल चौहान एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज़ को लेकर चर्चा में हैं। 'जन्नत' फेम इस खूबसूरत अदाकारा ने हाल ही में मुंबई में एक ब्रांड लॉन्च इवेंट के दौरान शिरकत की, जहां उन्होंने पिंक शॉर्ट आउटफिट में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इवेंट की तस्वीरें जैसे ही इंस्टाग्राम पर सामने आईं, सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। सोनल ने ऑफ-शोल्डर, रोज फ्लावर स्टाइल की पिंक मिनी ड्रेस में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज़ दिए। उनकी कर्व्स और कॉन्फिडेंस ने हर किसी को इंप्रेस कर दिया।

यह लुक उन्होंने केटल स्टूडियो चिप्स के लॉन्च पर कैरी किया था, जिसे उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए ब्रांड को बधाई दी। सोनल का यह बोल्ड और बिंदास अंदाज़ फैशन लवर्स के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। यूज़र्स ने कमेंट बॉक्स में लिखा- 'बेहद आकर्षक', 'स्ले क्वीन', और 'हमेशा की तरह भव्य', वहीं कई सेलेब्स ने भी उनके लुक की तारीफ की।

गौरतलब है कि सोनल चौहान ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और 'जन्नत' फिल्म से बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री की थी। आज भी उनकी खूबसूरती और स्टाइल का कोई जवाब नहीं। फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं।

बालों को गहराई से हाइड्रेट करने में सहायक होता है आंवला का तेल, ऐसे करें इस्तेमाल

आंवला का तेल एक प्राकृतिक तेल है, जो खोपड़ी यानि सिर की त्वचा को नमी प्रदान कर सकता है। यह तेल विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और सिर को नमी प्रदान करते हैं। इसके नियमित उपयोग से बालों की देखभाल में मदद मिलती है और उनकी गुणवत्ता में सुधार होता है। आप इन 5 तरीकों इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं और बालों को स्वस्थ बना सकते हैं।

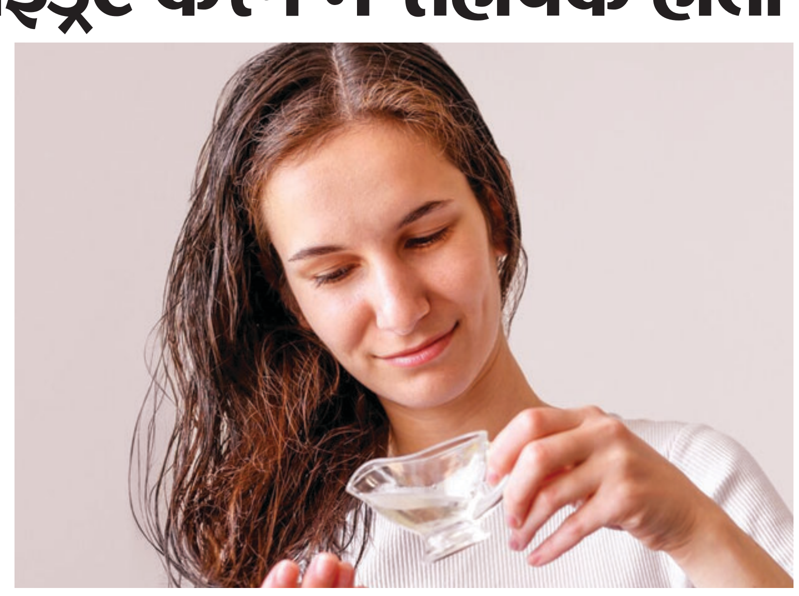

गर्म करके उपयोग करें

आंवले के तेल को हल्का गर्म करके खोपड़ी पर लगाएं। इससे खून का बहाव बढ़ता है और पोषक तत्व त्वचा तक जल्दी पहुंचते हैं। इसे लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें, जिससे तेल अच्छे से बालों में अवशोषित हो जाएगा। 30 मिनट तक छोड़ने के बाद बालों को शैंपू से धो लें। यह प्रक्रिया हफ्ते में 2 बार दोहराएं, ताकि आपके बाल मुलायम और चमकदार बने रहें। आंवले का तेल बालों को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखेगा।

रातभर लगाकर रखें

अगर आप आंवले के तेल को रातभर बालों में लगाए रहेंगे तो आपको ज्यादा फायदा मिलेगा। सोने से पहले आपने सिर पर इस तेल की मालिश करें और बालों को ढीला बांधकर सो जाएं। सुबह उठकर शैंपू और कंडीशनर लगाकर बाल धो लें। इससे बाल और सिर की त्वचा में नमी बनी रहेगी और उनकी गुणवत्ता में भी सुधार होगा। नियमित उपयोग से आपके बालों का झड़ना भी कम हो जाएगा और वे लंबे भी हो जाएंगे।

हल्के हाथों से मालिश करें

आंवले का तेल लगाते समय हल्के हाथों से ही मालिश करें, ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके। ऐसा करने से न केवल खोपड़ी को पोषण मिलता है, बल्कि तनाव भी कम होता है। मालिश करते समय ध्यान रखें कि तेल हर हिस्से तक पहुंचे और जड़ों में भी अच्छी तरह प्रवेश कर जाए। यह प्रक्रिया बालों की जड़ों को मजबूत बनाती है और उन्हें प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखती है।

हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल करें

हफ्ते में कम से कम 2 बार आंवले का तेल इस्तेमाल करें। इसके नियमित इस्तेमाल से ही आपको इसके सभी फायदे मिल सकेंगे। ऐसा करने से आपके बाल नमी से भरपूर रहेंगे और उनकी गुणवत्ता में भी सुधार हो सकेगा। नियमित उपयोग से बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है और वे स्वस्थ दिखाई देते हैं। इसके अलावा, इस तेल को लगाने से बालों का टूटना, उलझना और रूखा होना भी कम हो जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सिकलसेल और थैलेसीमिया जागरूकता का किया शुभारंभ

पीड़ित बच्चों की हुई निःशुल्क जांच, उपचार भी रहेगा पूर्णतः निःशुल्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जिला अस्पताल, जशपुर में सिकलसेल, थैलेसीमिया परामर्श जागरूकता एवं एचएलए मैचिंग शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिकलसेल और थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनके उपचार संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस विशेष शिविर में न केवल जशपुर जिले, बल्कि पड़ोसी जिले बलरामपुर, सरगुजा, सूरजपुर एवं झारखंड के गुमला जिले से भी सिकलसेल और थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे एवं उनके परिजन शामिल हुए।

बेंगलुरु से पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सक, निःशुल्क हुआ एचएलए डीएनए टेस्ट

शिविर में बेंगलुरु के नारायणा हॉस्पिटल से आए बोन मैरो ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. सुनील भट्ट द्वारा 12 वर्ष तक के बच्चों का एचएलए डीएनए टेस्ट और परामर्श निःशुल्क किया गया। यह परीक्षण बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए उपयुक्त डोनर की पहचान हेतु आवश्यक होता है।

शिविर में कास फाउंडेशन की श्रीमती काजल सुरेश सचदेव ने बच्चों एवं परिजनों को सिकलसेल और थैलेसीमिया के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इन बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए न केवल आवश्यक दवाइयों एवं जांच की सुविधाएं निःशुल्क दी जा रही हैं, बल्कि जर्मनी में होने वाला अत्यंत महंगा एचएलए डीएनए टेस्ट और देश के प्रमुख अस्पतालों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी जटिल प्रक्रिया भी पूर्णतः निःशुल्क कराई जा रही है।

राष्ट्रीय सिकलसेल एवं एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत जशपुर जिले में 0-15 आयु वर्ग के 209 सिकलसेल एवं थैलेसीमिया मरीजों की पहचान की गई है। इनमें से 110 बच्चों का एचएलए डीएनए टेस्ट कर ट्रांसप्लांट के लिए चयनित किया गया, जिनमें से अब तक 8 बच्चों का सफलतापूर्वक निःशुल्क बोन मैरो ट्रांसप्लांट हो चुका है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सिकलसेल एवं एनीमिया उन्मूलन मिशन के अंतर्गत जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ, संगवारी संस्था एवं कास फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से जिले में सिकलसेल के उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष यशप्रताप सिंह जूदेव, भरत सिंह, संभागीय कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी शशि मोहन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजधानी में तेलुगू वेलफेयर सोसायटी ने मनाया सीता-राम कल्याण महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी, खमतराई, रायपुर द्वारा रामनवमी पर सीता राम कल्याण महोत्सव मनाया गया। परंपरागत व श्रद्धा भक्ति के साथ दो दिवसीय कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में तेलुगू भाषी लोग जुटे। यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक रहा। महोत्सव के दौरान विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भजन-संध्या तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजजन ने भाग लिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, पूज्य स्वामी परमात्मानंद विश्व हिंदू परिषद के मंत्री घनश्याम चौधरी, बजरंग दल संयोजक ऋषि मिश्रा, विहंगम योग प्रचारक योगेश्वरानंद स्वामी, आरएसएस वरिष्ठ अधिकारी विजय प्रजापति आदि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी द्वारा अतिथियों का सम्मान भी किया गया। इस मौके पर योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने आयोजन की सराहना की और समाज प्रमुखों व लोगों को श्रीराम नवमी व सीता राम कल्याण महोत्सव की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथियों में सक्षम संगठन रायपुर युवा प्रमुख सुभाष जंघेल, सत्य साईं समिति रायपुर संयोजक लक्ष्मण राव, भाजपा कबीर नगर से अतुल तिवारी, उत्कल समाज के वरिष्ठ शिक्षाविद आशीष टांडी, शिवांश इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर श्लोक शर्मा आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का सम्मान व अभिनंदन तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी के यशस्वी अध्यक्ष टी गोपी, सचिव सत्या बाबू, बीसीएच राजू , गणेश राव, बाबू राव, जगदीश राव एवं उनकी समर्पित टीम द्वारा किया गया।

पात्र हितग्राहियों को समय पर उपलब्ध हो राशन सामग्रीः मंत्री दयालदास बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने यहां मंत्रालय महानदी भवन स्थित अपने कक्ष में विभागीय काम-काज की समीक्षा की। मंत्री श्री बघेल ने विभागीय अधिकारियों को विभिन्न श्रेणियों के कार्ड धारकों को निर्धारित पात्रता के अनुसार समय पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन सामग्री के आबंटन, भण्डारण एवं वितरण तथा धान उपार्जन एवं कस्टम मिलिंग की विस्तार से समीक्षा की गई।

मंत्री श्री बघेल ने उचित मूल्य की दुकानों का जल्द भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सत्यापन के बाद दुकानों में पायी गई कमी, वसूली एवं दर्ज प्रकरणों का निराकरण शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। श्री बघेल ने प्रदेश के सुदूर एवं पहुंच विहीन इलाकों की उचित मूल्य की दुकानों में अग्रिम खाद्यान्न भण्डारण हेतु समय रहते पर्याप्त भण्डारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक माह उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण करने भी कहा है।

छत्तीसगढ़ शासन के आम जनता तक प्रशासन के पहुंचने वाले कार्यक्रम 'सुशासन तिहार' के लिए सभी खाद्य अधिकारी और कर्मचारियों को सचेत रहते हुए, विभाग से संबंधित हरेक प्राप्त आवेदन, मांग, शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करने का निर्देश मंत्री ने दिया। वहीं विभाग की प्रशासनिक मुखिया अपर मुख्य सचिव ने विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से आए प्रत्येक आवेदनों का गुणवत्ता पूर्वक निराकरण का निर्देश दिया।

धान खरीदी और धान उठाव में खाद्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका की सराहना करते हुए, विभागीय सचिव ने सुशासन तिहार और वर्तमान में चल रहे भौतिक सत्यापन कार्य को गुणवत्ता पूर्वक तरीके से करने का निर्देश दिया। विभागीय पदोन्नति और नियुक्तियों में तेजी लाने के निर्देश दिया गया और नियद नेल्लानार कार्यक्रम में अच्छे कार्य के लिए बस्तर क्षेत्र के अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया गया।

मंत्री श्री बघेल ने बैठक में खाद्य विपणन वर्ष 2024-25 में खरीदी केन्द्रों से धान उठाव की समीक्षा की। उन्होंने भारतीय खाद्य निगम में कस्टम मिलिंग के तहत चावल उपार्जन और नागरिक आपूर्ति निगम में चावल उपार्जन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, सचिव अन्बलगन पी., संचालक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम जितेन्द्र कुमार शुक्ला, प्रबंध संचालक मार्कफेड रमेश कुमार शर्मा, प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति जनमेजय महोबे सहित राज्य भंडारण गृह निगम, अपैक्स बैंक के प्रमुख अधिकारी एवं जिलों के खाद्य नियंत्रक एवं खाद्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक विधायक राजवाड़े ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया । बैकुंठपुर विधानसभा के विधायक भईया लाल राजवाड़े की उपस्थिति में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने की, इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत, सदस्य सचिव एवं जिला खनिज संस्थान न्यास के डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्यय, वार्षिक प्रतिवेदन और स्वीकृत कार्यों का अनुमोदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 2016-17 से 2024-25 तक कुल 37895.68 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई है और अब तक 37941.53 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। इस दौरान 1169 कार्यों को निरस्त किया गया है, जिनकी राशि 1898.30 लाख रुपए प्राप्त हुई है।

विधायक भईया लाल राजवाड़े ने विभिन्न विषयों पर अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, बिजली, आंगनवाड़ी केन्द्रों आदि के सम्बंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अलावा बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें भौतिक अधोसंरचना, विधुतीकरण, आंगनबाड़ी केंद्रों, सड़कों का निर्माण, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के उपाय शामिल थे।

कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने बताया कि भारत सरकार के विज़न 2047 के तहत कोरिया जिले को जलवायु अनुकूलन गाँव के रूप में विकसित करने के लिए जल प्रबंधन, हरित कृषि, सौर ऊर्जा, वन संरक्षण, और वृक्षारोपण जैसे कार्यों, कोरिया जिले के पर्यटक स्थलों के विकास के लिए कार्य योजना, पोषण-संवेदनशील हस्तक्षेप, और स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि के उपायों पर जोर दिया गया। पर्यटक स्थलों के रूप में हसदेव नदी, गोपद नदी, तंजारा जलप्रपात, और गुरु घासी दास टाइगर रिजर्व जैसे प्रमुख स्थानों के विकास की आवश्यकता पर बल दिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के कार्य योजना में राशि प्रावधान किया है।

बैठक में शासी परिषद के सदस्यों ने जिले के विकास के लिए विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी और कामकाजी योजना को अंतिम रूप दिया। बैठक में अपर कलेक्टर एवं जिला खनिज न्यास संस्थान के नोडल अधिकारी डी.डी. मण्डावी ने आभार प्रकट किया इस बैठक में बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प होगा पूराः मुख्यमंत्री साय

गोंडवाना सामाजिक भवन के जीर्णोद्धार, बाउंड्री वॉल के लिए 80.48 लाख रूपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कांकेर के ग्राम भिरावाही में गोंडवाना समाज द्वारा आयोजित मरका पंडुम (चैतरई महापर्व) के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने गोंडवाना समाज के आराध्य बूढ़ादेव और आंगा देव की पूजा-अर्चना कर तेंदू, चार, चिरौंजी, महुआ और आम फल अर्पित किया और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने भिरावाही के गोंडवाना भवन परिसर में आयोजित मरका पंडुम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गोंडवाना समाज का समृद्धशाली इतिहास रहा है। मरका पण्डुम पर्व में नए फ लों, फसलों का अर्पण अराध्य देवी-देवताओं को किए जाने की परंपरा है। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपनी संस्कृति और परंपरा आगे बढ़ाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज को शिक्षित होने पर जोर देते हुए बच्चों को पढ़ाने के लिए सबको आगे आने तथा जागरूक होने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हुआ है। पीएम जनमन योजना से विशेष पिछड़ी जनजाति का तेजी से विकास हुआ है, वहीं प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। छत्तीसगढ़ में आईआईएम, आईआईटी, ट्रिपल आईटी जैसी उच्च संस्थाएं स्थापित हुई हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश सरकार द्वारा बस्तर से नक्सलवाद जड़ से खत्म करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले एक साल में नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का संकल्प अवश्य पूर्ण होगा। उन्होंने बताया कि अब नियद नेल्लानार योजना के दायरे को विस्तारित किया जा रहा है, ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अधिक से अधिक ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गोंडवाना समाज के प्रतिनिधियों की मांग पर 80 लाख 48 हजार रूपए के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की घोषणा की, जिसमें गोंडवाना समाज के भवन के जीर्णोद्धार हेतु 45 लाख रुपए, बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 23 लाख 47 हजार रूपए और देवगुड़ी के सांदर्यीकरण एवं विभिन्न कार्यों के लिए 12 लाख 01 हजार रूपए की स्वीकृति शामिल है।

समापन समारोह को कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज के हितचिंतक मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश का नेतृत्व कर रहे, यह गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासियों को अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और विरासत को विस्मृत नहीं करना चाहिए, क्योंकि यही हमारी जड़ और वास्तविक पहचान है। इस दौरान बस्तर गोंडवाना समाज के संभागीय अध्यक्ष सुमेर सिंह नाग ने सामाजिक गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

नियद नेल्लानार योजना : दूरस्थ क्षेत्रों में किया जा रहा हैंडपंप मरम्मत कार्य

सुकमा। बढ़ती गर्मी के बीच जिला प्रशासन ने हैंडपंप मरम्मत कार्य शुरु करा दिया है। प्रत्येक विकासखंड में हैंडपंप मरम्मत दल नियुक्त किया गया है। जो शिकायत प्राप्त होने पर मरम्मत करने मौके पर पहुंचेंगे। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा गर्मी में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करायेगी। मरम्मत दल प्रत्येक विकासखंड के हरेक पंचायत और गांव में जाकर खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत करेगा। पेयजल स्त्रोतों की मरम्मत के साथ लोगो को जल जागरूकता के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री ध्रुव ने पीएचई विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया है कि गर्मी के मौसम में आम जन को पेयजल की असुविधा ना हो। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सुकमा के मुख्य अभियंता वीके राम ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में खराब हैंडपंपों की शिकायत पर तुरन्त रिपेयरिंग कार्य किया जा रहा है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

दुकान की आड़ में अवैध गैस रिफलिंग, मामलें में बड़ा खुलासा

रायपुर। इलेक्ट्रानिक दुकान की आड़ में घरेलू और कर्मशियल गैस सिलेंडर की अवैध रिफलिंग करने वाले दुकानदार अनिल चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 23700 रुपए के छोटे-बड़े गैस सिलेंडर और अन्य सामान जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक रविवार को मुखबीर से सूचना मिली कि सांकरा लक्ष्मीनगर धरसीवा में आरोपी इलेक्ट्रानिक दुकान में अवैध रूप से गैस सिलेंडर की रिफिलिंग कर रहा है। और उसे ब्लैक में बेंच रहा है। इस पर धरसीवां पुलिस ने मुखबीर के बताए दुकान पर जाकर पूछताछ किया। जिसमें आरोपी ने अपना नाम अनिल चौधरी पलामु झारखंड निवासी होना बताया। वर्तमान में ग्राम सांकरा में इलेक्ट्रानिक दुकान का संचालन करता है। दुकान की जांच करने पर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कॉमर्शियल भरा और खाली गैस सिलेंडर , 5 किलो ग्राम 10, भारत गैस कंपनी का घरेलू 15.8 कि.ग्रा., इलेक्ट्रॉनिक तराजू , लोहे का बासूरी , रेगुलेटर कुल 23,700 जब्त किया। आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 3,7 और 288 का अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है।

युवक पर चाकू से किया जानलेवा हमला, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। बिलासपुर में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे युवक खून से लथपथ होकर घायल हो गया। इस हमले के बाद घायल युवकों के दोस्तों ने जमकर हंगामा मचाया, जिसके बाद आरोपी की स्कूटी को आग लगा दी। विवाद और तनाव की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं, पुलिस ने हमलावर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के अनुसार गणेश नगर में रहने वाले समीर खान और प्रिंस उर्फ लल्ला दोस्त हैं। दोनों नशे के आदी हैं। पुलिस का दावा है कि रविवार की शाम दोनों नशे की हालत में घूम रहे थे। तभी ओवरब्रिज के पास उनके बीच पुरानी रंजिश को लेकर बहस शुरू हो गई। फिर देखते ही देखते उनके बीच विवाद शुरू हो गया। युवक ने चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला मारपीट के दौरान समीर ने अपने पास रखे चाकू निकाल लिया। फिर उसने लल्ला पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। खून से लथपथ बल्ला की हालत देखकर कर समीर वहां से भाग निकला। इस हमले के बाद बल्ला के दोस्तों ने उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे सिम्स भेज दिया गया। इस हमले की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। आग घायल बल्ला के दोस्त समीर के घर के पास पहुंच गए और जमकर हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने समीर की स्कूटी को सड़क पर निकाल लिया, जिसके बाद स्कूटी में आग लगा दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हंगामा कर रहे युवकों को वहां से खदेड़ा। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी।

चरोदा पथर्रा में मिली अधजली लाश की गुत्थी सुलझी बेटी-दामाद ही निकले कातिल, पत्नी ने भी दिया साथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रविवार की सुबह पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत पथर्रा में खेत खार में मिली अधजली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हाथ में बने टैटू से मृतक की शिनाख्त रॉकी लांजेवार के रूप में हुई। मृतक पावर हाउस भिलाई का रहने वाला था। घटना की जांच शुरू हुई तो पुलिस हत्यारों तक पहुंच गई। दरअसल हत्यारा कोई और नहीं बल्कि मृतक का दामाद और बेटी निकले। वहीं शव को ठिकाने लगाने में मृतक की पत्नी ने भी साथ दिया। पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें रविवार की सुबह पथर्रा में जली लाश मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची। शुरुआती जांच में सामने आया कि यह हत्या की घटना है। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के यहां लाकर जलाया गया। मृतक के सिर पर चोट के निशान थे। इस मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने धारा 103(1), 238 बीएनएस पजींबद्व कर विवेचना में लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला मृतक के शिनाख्त व आरोपियों की शीघ्र पतासाजी कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश के बाद एक विशेष टीम गठित कर आरापियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिएलगाया गया था।

टैटू से हुई मृतक की शिनाख्त

गठित विशेष टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया अज्ञात मृतक के बांह में टैटू बना हुआ था। जिसके आधार पर टीम द्वारा अज्ञात मृतक की शिनाख्ती का प्रयास किया गया। मृतक कि शिनाख्त रॉकी लांजेवार निवासी प्रोजेक्ट आटोमोबाईल के पास पावर हाउस के रूप में हुई। मृतक के शव से कुछ दुरी पर किसी बड़े वाहन का निशान देखा गया था। उक्त संदेही वाहन की पतासाजी के लिए टीम द्वारा त्रिनयन एप्प की मदद लेते हुये घटना स्थल आने-जाने वाले मार्ग के सभी सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया।

फुटेज से वाहन की पहचान और आरोपियों तक पहुंची पुलिस

सीसीटीवी फूटेज अवलोकन पर एक संदेही वाहन आयशर क्रमांक MH 40 BL 9629 को चिन्हाकित कर उक्त संदेही वाहन की तलाश शुरू की गई। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मृतक के दामाद दुल्यांश गजभिये को घटना की रात उक्त संदेही वाहन को चलाते देखा गया। इस आधार पर संदेही दुल्यांश गजभिये को पकड़ कर पूछताछ की गई। पुलिस की पूछताछ में दुल्यांश टूट गया गया पूरी सच्चाई बता दी। आरोपी ने बताया कि मृतक रॉकी लांजेवार उसका ससुर था। नशे में अक्सर उसे एवं उसकी पत्नि सृष्टि गजभिये को पुराने केश में समझौता करने धमकाते रहता था।

गाली गलौच व धमकी से तंग आकर की हत्या

आरोपी ने बताया कि घटना के दिन भी मृतक रॉकी लांजेवार नशे की हालत में दुल्यांश गजभिये एवं उसकी पत्नि सृष्टि गजभिये को गाली गलौच कर रहा था। इस बात से नाराज होकर दुल्यांश ने लोहे के रॉड से ससुर के सिर में 3-4 वार किया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। जिसके बाद दुल्यांश ने आयशर वाहन से केम्प 1 जलेबी चौक जाकर अपनी सास मोहनी लांजेवार को लेकर पहुंचा। उसे सारी बात बताने के बाद शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। शव को कपड़े, साड़ी, चटाई लपेट कर घर से मिट्टी तेल लेकर दुल्यांश अपनी सास मोहनी लांजेवार एवं पत्नि सृष्टी गजभिये के सहयोग से वाहन आयशर में क्रमांक MH 40 BL 9629 में भरकर ग्राम पर्थरा के खेत में ले जाकर जला दिया। इस पूरी कार्रवाई में एसीसीयु से प्रधान आरक्षक सगीर खान, आरक्षक अजय गहलोत, राकेश अन्ना, राकेश चौधरी, भावेश पटेल, अमित सिंह, गुनीत निर्मलकर एवं थाना पुरानी भिलाई से उप निरीक्षक वर्मा की उल्लेखनीय भूमिका रही।

फंदे से लटकी मिली विवाहिता महिला की लाश

बिलासपुर। जिले में एक महिला की लाश संदिग्ध हालत में फंदे पर लटकती मिली है। मायके वालों ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को मारकर फंदे पर लटकाया गया है, जिसे आत्महत्या बताने की कोशिश की जा रही है। महिला की 14 महीने की बेटी है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, बलौदाबाजार की रहने वाली सुलोचनी देवांगन (24) की शादी 2 साल पहले सरकंडा के लिंगियाडीह श्याम नगर निवासी अंकित देवांगन से हुई थी। अंकित ऑटो पार्ट्स की दुकान चलाता है। बीते शनिवार को दोपहर सुलोचनी ने कमरे में फांसी लगा ली। इस दौरान परिजनों ने दरवाजा खोलकर उसे फंदे से उतार दिया, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सुलोचनी के मायकेवालों ने बताया कि उसके ससुरालवालों ने फोन से जानकारी दी कि उनकी बेटी की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल लेकर गए हैं। लेकिन, जब परिजन बिलासपुर पहुंचे, तब उसके ससुराल घर के बाहर लोगों की भीड़ लगी थी। वहीं, अंदर कमरे में बेटी सुलोचनी का शव पड़ा हुआ था। कमरे में पंखे से एक कपड़े का फंदा भी लटक रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि फंदे को देखने से लग रहा था कि यह आत्महत्या नहीं है। बल्कि, उनकी बेटी की हत्या कर उसे फंदे पर लटकाया गया है। जिसके बाद इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। मायकेवालों ने यह भी आरोप लगाया कि 2 साल पहले जब उन्होंने सुलोचनी की शादी की थी, तब पुस्तैनी जमीन बेच कर दहेज में सब कुछ दिया था। इसके बाद भी उनका दामाद अंकित और ससुरालवाले उससे हमेशा पैसे की मांग करते थे। बेटी खुश रहे इसलिए वो हर दो-तीन महीने में किसी तरह पैसे की व्यवस्था कर भेजती थी।

मृतका सुलोचनी की 14 माह की बेटी भी है। परिजनों ने कहा कि उनकी बेटी की तबीयत खराब रहती थी, तब ससुरालवाले उसका इलाज नहीं कराते थे। वह अपनी मासूम बेटी को छोड़कर आत्महत्या नहीं कर सकती। सुलोचनी के मायकेवालों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। या तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया है। या हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इधर, सरकंडा थाना प्रभारी निलेश पांडेय का कहना है कि महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया महिला के फांसी लगाने की बात सामने आई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मामले में जांच के बाद दोषियों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी पंहुचा जेल

रायगढ़ (ए.)। सोशल मीडिया पर जान-पहचान के बाद शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुसौर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। इस त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा-निर्देशन में पुसौर पुलिस की सराहना की जा रही है।

घटना बीती रात की है। 28 वर्षीय पीड़िता ने आज थाना पुसौर पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई कि वर्ष 2024 में उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से मीनकेतन पाव (27 वर्ष), निवासी थाना जूटमिल क्षेत्र से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच फोन पर बातचीत बढ़ी और मीनकेतन ने युवती को शादी का प्रलोभन देना शुरू किया। युवती के अनुसार, 6 अप्रैल को उसके गांव बारात आई थी, जिसमें मीनकेतन भी शामिल था। बारात के दौरान मीनकेतन ने युवती से फोन पर संपर्क किया और घर का पता पूछकर सीधे उसके घर आ पहुंचा। शिकायत के मुताबिक, मीनकेतन ने युवती से बातचीत करते हुए जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। फिर शादी से साफ इंकार कर दिया। खुद को ठगा महसूस कर युवती ने अपने परिजनों के साथ थाना पुसौर पहुंचकर आरोपी के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी निरीक्षक रामकिंकर यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 85/2025 धारा 69 बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप) के तहत मामला दर्ज किया और टीम बनाकर आरोपी मीनकेतन पाव को हिरासत में ले लिया। मेडिकल जांच सहित समस्त विधिक प्रक्रिया पूरी कर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। महिला अपराधों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल व नगर पुलिस अधीक्षक आकाश शुक्ला के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रामकिंकर यादव के साथ उप निरीक्षक संध्या कोका, उनि कुंदन लाल गौर, सहायक उप निरीक्षक मनमोहन बैरागी और महिला प्रधान आरक्षक जेनिपा पन्ना एवं स्टाफ की विशेष भूमिका रही।

दिल दहलाने वाली वारदातः खून से सना मिला 6 साल के मासूम का शव और फांसी के फंदे पर लटका था पिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। अर्जुनी थाना क्षेत्र के बोडरा गांव में रविवार रात एक घर में छह साल के मासूम बच्चे का शव खून से लथपथ मिला, जबकि उसके पिता का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतक पिता की पहचान गोपेश्वर साहू के रूप में हुई है, जबकि बच्चे का नाम हेयांश साहू बताया जा रहा है। ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना पर अर्जुनी थाना पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची।

शव के पास मिला फावड़ा

पुलिस को घर में गोपेश्वर साहू का शव छत से फंदे पर लटका हुआ मिला। वहीं, नीचे जमीन पर हेयांश का शव खून से सना हुआ था। शव के पास ही एक फावड़ा भी पड़ा हुआ था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि बच्चे की हत्या इसी से की गई हो सकती है। दोनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

पुलिस की प्रारंभिक आशंका

पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि गोपेश्वर साहू ने पहले अपने छह साल के बेटे हेयांश की हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में कोई अन्य मौजूद नहीं था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस वारदात के पीछे की वजह क्या थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सभी पहलुओं से जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों में दहशत

इस भयावह घटना के बाद गांव में मातम और डर का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि गोपेश्वर साहू और उसके परिवार के बारे में कोई ऐसी जानकारी नहीं थी, जिससे इस तरह की घटना की आशंका हो। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना की असल वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल, अर्जुनी थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मामले की गहन जांच में जुटी है। इस घटना ने न केवल स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है, बल्कि जिले भर में चर्चा का विषय बन गई है।

'लोन वर्राटू' अभियान का असर : तीन इनामी नक्सली सहित 26 नक्सलियों ने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे निर्णायक अभियानों को एक और बड़ी सफलता मिली है। दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को 26 हार्डकोर नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया, जो राज्य की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 की सफलता और विश्वसनीयता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर सुरक्षाबलों के जवानों को सहृदय बधाई देते हुए कहा कि नक्सलवाद के समूल नाश के हमारे संकल्प को निरंतर सफलता मिल रही है।

सीएम साय ने कहा कि इस उपलब्धि में नियद नेल्ला नार योजना और लोन वर्राटू अभियान की अहम भूमिका रही, जो आदिवासी युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने भी लाल आतंक प्रभावित गांवों के नक्सलमुक्त होने पर उस गांव को एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। विशेष सहायता राशि की घोषणा के सकारात्मक परिणाम भी अब सामने आने लगे हैं। सीएम साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री के संकल्पों के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक देश-प्रदेश में वामपंथी उग्रवाद के खात्मे की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि हम निश्चित रूप से तय समयसीमा के भीतर इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि यह महज कोई अभियान नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की शांति, सुरक्षा और समृद्धि का मिशन है। सुरक्षाबल के जवानों का सहृदय अभिनंदन!

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली

राजेश कश्यप उर्फ गमसन कश्यप पिता सन्नू कश्यप उम्र लगभग 36 वर्ष जाति मुरिया निवासी बोदली नयापारा थाना मालेवाही जिला बस्तर ।आमदई एरिया कमेटी जनमिलिशिया कमाण्डर (तीन लाख रुपये)। कोसा माड़वी पिता स्व. डूम्मा माड़वी उम्र लगभग 30 वर्ष जाति मुरिया निवासी बोडेपल्ली पटेलपारा थाना किरन्दुल जिला दंतेवाड़ा। गमपुर आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष (एक लाख रुपये)। छोटू कुंजाम पिता सुधरू कुंजाम उम्र लगभग 22 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल गाण्डुकलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी सीएनएम सदस्य (50 हजार रुपये)। कुमारी रीना ओयाम पिता लखमा ओयाम उम्र लगभग 22 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला दन्तेवाड़ा। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य (निरंक)। महेश उर्फ बंडरा कड़ती पिता सोमलू कड़ती उम्र लगभग 30 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल कड़तीपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी जंगल शाखा अध्यक्ष। डोमेश्वर उर्फ गुड्डी ओयाम पिता स्व. सुक्कू ओयाम उम्र लगभग 16 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। लच्छू उर्फ पटेल ओयाम पिता लक्खू ओयाम उम्र लगभग 35 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल देवापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। मनोज उर्फ डोग्गा ओयाम पिता स्व0 मंगू उर्फ कोया ओयाम उम्र लगभग 37 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल देवापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी आर्थिक शाखा अध्यक्ष। रामदेई कड़ती पति स्व. मंगा कड़ती उम्र लगभग 44 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल गाण्डूकलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी केएएमएस सदस्य। शंकर उर्फ सुक्कू ओयाम पिता पाण्डू ओयाम उम्र लगभग 40 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। लक्खू उर्फ कुंडा राम ओयाम पिता स्व. बोज्जा ओयाम उम्र लगभग 49 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य। मोटू पुनेम पिता बुधू पुनेम उम्र लगभग 23 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल देवापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। रमेश हेमला पिता पण्डरू हेमला उम्र लगभग 19 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल बेचापाल गाण्डूकलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। लक्ष्मण उफ नूली ओयाम पिता सुक्लू ओयाम उम्र लगभग 29 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। कुमारी रीना उर्फ वेत्तेम पदाम पिता कमलू पदाम उम्र लगभग 14 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। दशरू उर्फ डोग्गा ओयाम पिता स्व. आयतु ओयाम उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य। सन्नू तेलाम पिता स्व. सोमडू तेलाम उम्र लगभग 45 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापल गाण्डूकलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। सुदरू उर्फ मोक्को ओयाम पिता स्व. पाण्डू ओयाम उम्र लगभग 38 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी भूमकाल मिलिशिया सदस्य। आयतु उर्फ गुट्टा ओड़ी पिता स्व. सोमडू ओड़ी उम्र लगभग 23 वर्ष जाति मुरिया निवासी तमोड़ी थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी कृषि शाखा सदस्य। राकेश उर्फ पण्डरू ओयाम पिता स्व0 सोमलू ओयाम उम्र लगभग 21 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल गायतापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। दयालू लेकाम पिता स्व. मुन्ना लेकाम उम्र लगभग 32 वर्ष जाति मुरिया निवासी केशकुतुल सुराखाडापारा थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर। केशकुत्तुल आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य। सन्नू कोवासी उर्फ सन्नो पिता हिड़मो कोवासी उम्र लगभग 29 वर्ष जाति मुरिया निवासी केशकुतुल मड्डापारा थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर। केशकुत्तुल आरपीसी मिलिशिया सेक्षन 'ए' कमाण्डर। सायबो वेको पिता बुधराम वेको उम्र लगभग 32 वर्ष जाति मुरिया निवासी केशकुतुल मड्डापारा थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर। केशकुत्तुल आरपीसी जनमिलिशिया सेक्शन कमाण्डर। छोटू पदाम पिता लक्खू पदाम उम्र लगभग 28 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य। सुपा उर्फ चन्द्ररू पदाम पिता स्व. आयतु पदाम उम्र लगभग 38 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल पदमपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। बेचापाल आरपीसी जंगल शाखा सदस्य। सन्नू कवासी पिता स्व. महादेव कवासी उम्र लगभग 30 वर्ष जाति मुरिया निवासी गुड़से मिस्सगोंदीपारा थाना कटेकल्याण जिला दन्तेवाड़ा। गुड़से पंचायत डीएकेएमएस सदस्य।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ की नई धमनी बनेगी खरसिया-परमलकसा 5वीं-6वीं रेल लाइन, मिलेगा बंपर रोजगार : अश्विनी वैष्णव

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए खरसिया - परमलकसा रेल परियोजना एक ऐतिहासिक कदम- मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय कैबिनेट की ओर से मंजूर खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल प्रोजेक्ट के बारे में रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को रेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को बदलने वाला है । इस प्रोजेक्ट पर 8741 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इससे पूरे छत्तीसगढ़ को एक छोर से दूसरे छोर तक कवरेज मिलेगा । रेल मंत्री ने कहा कि खरसिया-परमलकसा 5वीं-6वीं रेल लाइन छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क की नई धमनी की तरह है। यह ओडिशा की सीमा से महाराष्ट्र की सीमा तक रेल नेटवर्क की सुविधा प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि यह भारत के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है । इससे छत्तीसगढ़ के रायगढ़, जांजगीर चाँपा, बिलासपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग और राजनांदगांव जैसे जिले जुड़ेंगे । इसके तहत 21 स्टेशन बनेंगे, 48 बड़े ब्रिज और साथ ही 349 माइनर ब्रिज, 14 फ्लाईओवर और 184 अंडर पास का निर्माण होगा । स्थानीय स्तर पर निवासियों को दिक्कत ना हो इसके लिए 5 रेल फ्लाईओवर भी निर्मित किए जाएंगे ।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में 278 किलोमीटर रूट में 615 किलोमीटर लंबी पटरियां बिछाई जाएंगी। इस रूट के निर्माण के बाद 8 से ज्यादा मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जाएगा । इस रेल नेटवर्क के निर्माण से करीब 22 करोड़ लीटर डीजल बचेगा और रेलवे को लगभग 2500 करोड़ रुपये के डीजल की बचत होगी । रेल मंत्री ने कहा कि भगवान राम के वनवास के दौरान माता शबरी के प्रसंग से जुड़े लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी इस रेल नेटवर्क से संपर्क स्थापित होगा । बलौदा बाजार और खरसिया जैसे सीमेंट उत्पादन के बड़े इंडस्ट्रियल हब भी इस नेटवर्क से जुड़ेंगे। श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए रेलवे अब बायपास पद्धति को अपना रही है । इसके तहत मालगाड़ी को शहर के बाहर से निकालने पर जोर दिया जा रहा है । वहीं यात्री गाड़ियों को शहर के अंदर एंट्री दी जाएगी । इस रेल लाइन के निर्माण के दौरान भी इस पर फोकस रहेगा । साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत कोसा सिल्क के उत्पादन वाले इलाके भी रेल लाइन के जरिए जुड़ेंगे । इसके चलते 2 करोड़ मानव दिवस रोजगार उत्पन्न होगा । रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट अब 22 गुना बढ़कर लगभग 6900 करोड़ से ज्यादा हो गया है । साथ ही 2014 के बाद छत्तीसगढ़ में रेलवे के काम में अभूतपूर्व तेजी आई है । इसके तहत 1,125 किमी नए ट्रैक बने हैं, जोकि दुबई के पूरे रेलवे नेटवर्क से ज्यादा है । उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में रेलवे का कुल निवेश 47 हजार करोड़ से अधिक है । इसके तहत 32 स्टेशनों का पुनर्निर्माण हो रहा है, और इन्हें पूरी तरह नया बनाया जा रहा है । इनमें से कई स्टेशनों के विकास का कार्य इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

राज्य के महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट्स की जानकारी देते हुए रेल मंत्री ने कहा कि दल्लीराजहरा से रावघाट नई लाइन पूरी होने वाली है । अब इसके आगे रावघाट से जगदलपुर रेल लाइन के डीपीआर बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है । वैसे ही गेवरा-पेन्ड्रा रोड नई लाइन पर भी तेजी से काम चल रहा है । साथ ही राजनांदगांव से नागपुर तीसरी लाइन, झारसुगड़ा से बिलासपुर चौथी लाइन, रायपुर-केन्द्री-धमतरी से अभनपुर-राजिम लाइन का गेज कन्वर्जन करके ब्रॉड गेज बनाया जा रहा है । राजनांदगांव से डोंगरगढ़ चौथी लाइन, जगदलपुर से कोरापुट की डबलिंग, धरमजयगढ़ से कोरबा नई लाइन, अनूपपुर से अंबिकापुर के दोहरीकरण के लिए पर्याप्त फंड दिए गए हैं । रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों ने जिन उम्मीदों के साथ डबल इंजन की सरकार बनाई है, उसे पूरा करने का काम भारतीय रेल कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई है, छत्तीसगढ़ में रेलवे से जुड़ा हजारों करोड़ का काम हो रहा है । नई परियोजना से छत्तीसगढ़ के अनेक जिले जुड़ते हैं, यह राज्य के लिए सौभाग्य की बात है । स्टेशनों के विकास के लिए सरकार ने करोड़ों का फंड दिया है, इससे रेलवे और छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदलेगी ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को धन्यवाद देते हुए कहा कि खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल परियोजना जैसी महत्त्वपूर्ण सौगात से छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई गति मिलेगी। यह रेल परियोजना जांजगीर-चांपा, सक्ती, बलौदा बाजार, रायपुर, दुर्ग और राजनांदगांव जैसे प्रमुख जिलों को जोड़ेगी। इससे इन जिलों के नए अवसर मिलेंगे। लोगों को रोजगार मिलेगा। बलौदाबाजार और जांजगीर अब उद्योगों के लिए नया हब बनकर उभरेंगे। यह क्षेत्र लाइमस्टोन (चूना पत्थर) से समृद्ध है। रेल संपर्क बेहतर होने से यहां सीमेंट उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नया रायपुर तक सीधी रेल लाइन से राजधानी का संपर्क मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों से और बेहतर होगा। परियोजना से माल परिवहन तेज होगा, जिससे उद्योगों की लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। इससे कृषि उत्पादों, खनिजों और निर्माण सामग्री के ट्रांसपोर्ट को भी बल मिलेगा। इससे नया रायपुर के विकास को नई दिशा और रफ्तार मिलेगी।

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी राज्यमंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ राज्य के लिए मंजूर किए गए इस परियोजना के लिए खुशी जाहिर करते हुए समस्त छत्तीसगढ़ के निवासियों की तरफसे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्र सरकार का धन्यवाद किया ।

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले के 63 करोड़ रूपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की दी सौगात

59.75 करोड़ रूपए के 22 कार्यों का शिलान्यास, 3.64 करोड़ रूपए की लागत के पांच कार्यों का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को 63 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने जिला मुख्यालय जशपुर में आयोजित कार्यक्रम में 59.75 करोड़ रुपये के 22 कार्यों का भूमिपूजन और 3.64 करोड़ रुपये के 5 कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें जय स्तंभ चौक के सौंदर्यीकरण, छात्रावासों के निर्माण, सामुदायिक भवन, कम्पोस्ट सेंटर और आरआर सेंटर जैसी जनोपयोगी परियोजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन किए गए कार्यों में नगर पालिका परिषद, पुलिस विभाग, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और पंचायत एवं ग्रामीण सड़क विकास विभाग से जुड़े 22 महत्वपूर्ण विकास कार्य सम्मिलित हैं। इनमें बीटी रोड, सीसी रोड, नालियों और स्टॉर्म वॉटर ड्रेन, सामुदायिक भवन, सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, स्ट्रीट लाइट विस्तार, तालाब और पार्क उन्नयन, छात्रावास भवन और सड़क निर्माण कार्य प्रमुख हैं।

जय स्तंभ चौक सौन्दर्यीकरण और उन्नयन कार्य का लोकार्पण: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर के जय स्तंभ चौक में 23 लाख 86 हजार की लागत से कराये गए सौन्दर्यीकरण और उन्नयन कार्य का लोकार्पण किया। भारत के स्वतंत्रता दिवस की यादगार के रूप में स्थापित जय स्तंभ चौक का उन्नयन कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जय स्तंभ चौक वर्षों तक आने वाली पीढ़ियों को हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग बलिदान और राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा देता रहेगा, राष्ट्रसेवा हेतु सभी को प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह परियोजनाएं जशपुर जिले के समग्र विकास और नागरिकों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगी। उन्होंने सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे।

महिलाओं के हुनर को मिल रही नई पहचान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लखपति दीदी योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को पारंपरिक हुनर जैसे बुनाई, कढ़ाई और वस्त्र निर्माण में प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाया जा रहा है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखण्ड के ग्राम सेंदरी एवं नारायणगढ़ की 20-20 महिलाओं को ग्रामोद्योग हाथकरघा विभाग द्वारा ट्यूनिक वस्त्र गणवेश, चादर, टॉवेल, बेडशीट सहित अन्य वस्त्र निर्माण का प्रशिक्षण मिला है, जिससे उन्हें प्रतिमाह 10-12 हजार रूपए तक की आय हो रही है।

प्रशिक्षित महिलाएं अब जय गढ़माता बुनकर सहकारी समिति मर्यादित ठाकुरटोला के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित रायपुर की शासकीय वस्त्र प्रदाय योजना के अंतर्गत वस्त्र उत्पादन एवं विपणन कर रही हैं। हाथकरघा उद्योग में इन महिलाओं को बारहों महीने सतत रोजगार प्राप्त हो रहा है, जिससे सालाना एक लाख रुपए से अधिक की आमदनी हो रही है।

बुनकरी कार्य में जुटी महिलाएं अब लखपति दीदी बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही हैं। हथकरघा से बने वस्त्रों की गुणवत्ता, रंग संयोजन और पारंपरिक सौंदर्य को देखते हुए बाजार में इनकी अच्छी मांग है। इस योजना ने न सिर्फ महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारा है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान भी दिलाया है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए न केवल आजीविका का साधन बनी है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नया आयाम दे रही है।

रामनवमी पर भजन संध्या का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसादी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सई सुतार गुजराती महिला मंडल रामनवमी के पर्व पर भजन संध्या एवं महाप्रसादी का कार्य क्रम रखा गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए और महाप्रसादी ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजन में सई सुतार गुजराती महिला मंडल की सभी सदस्यों का योगदान रहा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वर्गीय जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय का भूमिपूजन किया

मुख्यमंत्री ने सेवांकुर भारतः एक सप्ताह देश के नाम' के तहत आदिवासी क्षेत्रों में किए जा रहे सेवाकार्य की सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वर्गीय जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने मंच पर भगवान श्री राम, भारत माता, बिरसा मुंडा, स्वर्गीय जगदेव राम उरांव और स्वर्गीय बाला साहब देशपांडे के छायाचित्र पर पुष्पगुच्छ अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने 'सेवांकुर भारत: एक सप्ताह देश के नाम' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के तहत आदिवासी क्षेत्रों में किए जा रहे सेवाभाव की सराहना की। इस अवसर पर एनटीपीसी लारा के महाप्रबंधक रविशंकर ने कलेक्टर रोहित व्यास को जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय के निर्माण के लिए 35 करोड़ 53 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

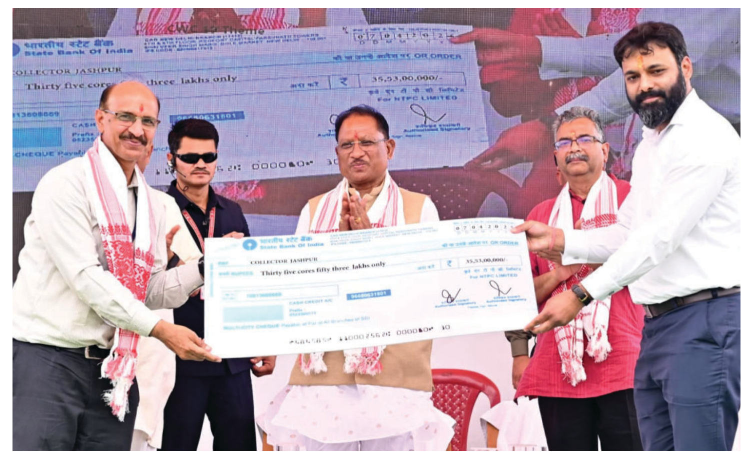

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय लोगों के सेवाकार्य और इन क्षेत्रों के विकास में स्वर्गीय जगदेव राम उरांव, स्वर्गीय बाला साहब देशपांडे, स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय का निर्माण मानव समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनटीपीसी लारा के सीएसआर फंड से इस अस्पताल के निर्माण के लिए 35 करोड़ 53 लाख रुपये आबंटित किया गया है। इस अस्पताल के बन जाने से जशपुर और इसके आसपास के ग्रामीण अंचल के रहवासियों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस बार के बजट में जशपुर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज, शासकीय नर्सिंग कॉलेज और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद से अब तक के कार्यकाल में ही मोदी की अधिकांश गारंटियों को पूरा कर लिया गया है। कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति प्रदान की गई। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रति माह 01 हजार रुपये देकर महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा 5500 रुपये मूल्य निर्धारित किया गया है।

पीएम जनमन योजना से विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों का विकास किया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से आदिवासी इलाकों का विकास कार्य और नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से बस्तर के नक्सल प्रभावित ग्रामों में विकास किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय जगदेव राम उरांव कल्याण आश्रम चिकित्सालय अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। 100 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में 15 ओपीडी, 4 आईसीयू, 4 ऑपरेशन थिएटर, फिजियोथेरेपी, पैथोलॉजी लैब, सीटी स्कैन, डायलिसिस, एक्स-रे, आपातकालीन वार्ड, एमआरआई, ईसीजी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

इस अवसर पर सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, विधायक रायमुनि भगत, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार सिंह, महामंत्री योगेश बापट, संनिर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांतीय अध्यक्ष रणविजय सिंह जूदेव, कमिश्नर नरेन्द्र दुग्गा, आईजी अंकित गर्ग, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. रवि मित्तल, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, कृष्ण कुमार राय सहित वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आदिवासी क्षेत्रों में जाकर कार्य कर रहा है 'सेवांकुर भारतः एक सप्ताह देश के नाम'

सेवांकुर भारत की तरफसे 5 से 13 अप्रैल तक 'एक सप्ताह देश के नाम' मनाया जा रहा है। सेवांकुर भारत एक सेवाभावी संस्था है, जिसमें डॉक्टरों सहित मेडिकल फील्ड से जुड़े अन्य लोग काम कर रहे हैं। यह संस्था आदिवासी इलाकों में जाकर मेडिकल कैंप लगाकर उनका इलाज करती है और अन्य चिकित्सकीय सुविधाएं भी उपलब्ध कराती है। इस संस्था में 18 ग्ररुप हैं, प्रत्येक ग्रुप में 15 से 16 लोग जुड़े हैं। सेवांकुर भारत 2016 से हर वर्ष 'एक सप्ताह देश के नाम' से आदिवासी इलाकों में जाकर सेवा का कार्य कर रही है। यह संस्था नए चिकित्सकों को सेवा कार्य के लिए प्रेरित भी करती है। इसके अलावा यह संस्था आदिवासियों के घरों में जाकर उनकी संस्कृति और जीवनशैली का अध्ययन करती है, ताकि उनके इलाज की जरूरतों को बेहतर समझा जा सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950